E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 17 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, शुक्रवार 31 जुलाई, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

पश्चिम एशिया संकट को लेकर पीएम मोदी ने बुलाई सीसीएस की बैठक, भारतीयों की सुरक्षा के दिए निर्देश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनज़र आयोजित कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए भारतीय नागरिकों और विदेशों में रह रहे भारतीय समुदाय के हितों की सुरक्षा के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा ऊर्जा, उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बैठक के दौरान आगामी रबी सीजन के लिए उर्वरकों की आवश्यकता का आकलन किया गया। साथ ही उर्वरकों की वैकल्पिक आपूर्ति के स्रोतों पर भी विचार-विमर्श हुआ। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि देश में उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं।

इस बैठक को लेकर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, ''आज मैंने पश्चिम एशिया में चल रही घटनाओं के बाद की स्थिति की समीक्षा के लिए सीसीएस की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में लोगों के कल्याण और जरूरी चीज़ों की बिना रुकावट सप्लाई सुनिश्चित करने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।'' संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में घरेलू और विदेशी ध्वज वाले जहाजों पर कार्यरत भारतीय नाविकों की स्थिति पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि नाविकों और उनके परिवारों को समय पर सूचना, आपातकालीन सहायता तथा परामर्श उपलब्ध कराने के लिए एक प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए। यह चर्चा ऐसे समय हुई है, जब पश्चिम एशिया क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों की घटनाएं सामने आई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि सौर ऊर्जा सहित नवीकरणीय और अन्य गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार का 'होल-ऑफ-गवर्नमेंट' दृष्टिकोण जारी

रहना चाहिए। साथ ही सभी घटनाक्रमों की नियमित निगरानी और आवश्यक कदमों के त्वरित क्रियान्वयन के लिए एक समन्वित तंत्र स्थापित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में कैबिनेट सचिव ने सीसीएस को मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने पेट्रोलियम उत्पादों, एलएनजी, एलपीजी और उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि एलपीजी की खरीद के स्रोतों में विविधता लाई जा चुकी है और प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों का भंडार तथा आपूर्ति की स्थिति पर्याप्त बनी हुई है। कैबिनेट सचिव ने यह भी बताया कि कच्चे तेल की पर्याप्त उपलब्धता के कारण केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसई) की रिफाइनरियां 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर संचालित हो रही हैं, जिससे पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन लगातार जारी है। इसके अलावा पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शनों के विस्तार से देश में पीएनजी उपभोक्ताओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके लिए संबंधित विभागों को लगातार स्थिति की निगरानी करने और आवश्यकता पड़ने पर त्वरित निर्णय लेने के निर्देश दिए गए हैं।

नकल माफिया पर नकेल : लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी पास हुआ एंटी पेपर लीक बिल

नई दिल्ली। लोकसभा के बाद राज्यसभा ने गुरुवार को 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल' पास कर दिया। इसके साथ ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के उपायों को मजबूत करने वाले इस कानून को संसद की मंजूरी मिल गई है। बिल पास होने के समय केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह सदन में मौजूद थे।

जितेंद्र सिंह ने ही दिन में यह बिल पेश किया था, जिसे लोकसभा ने बुधवार को लगभग सात घंटे की बहस के बाद पास कर दिया था। उच्च सदन में हुई चर्चा में दोनों पक्षों ने अपनी बात रखी। सरकार ने संशोधनों का बचाव करते हुए कहा कि पेपर लीक करने वाले माफिया को रोकने के लिए सख्त सजा, विशेष अदालतें और तय समय-सीमा में मुकदमे की सुनवाई जरूरी है। आर्थिक दंड (जुर्माना) बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए कर दिया गया है, साथ ही जेल की सजा और तेजी से सुनवाई (फास्ट-ट्रैक कार्यवाही) का भी प्रावधान किया गया है।

बिल पेश करते हुए जितेंद्र सिंह ने सदन को बताया कि इन संशोधनों से पता चलता है कि सरकार 2024 के कानून के अनुभव से सीखने को तैयार है। उन्होंने बताया कि मूल कानून लागू होने के बाद से 52 एफआईआर दर्ज की गई हैं और पेपर लीक से जुड़ी आत्महत्याओं की घटनाओं में कमी आई है। राज्यसभा में बिल पास होने के बाद अब इसके राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने और कानून बनने का रास्ता साफ हो गया है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने 8 जिलों में स्थाई लोक अदालतों के गठन का किया अनुमोदन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के 8 जिलों में स्थाई लोक अदालतों के गठन का अनुमोदन किया है। मुख्यमंत्री के निर्णय के अनुसार फलौदी, डीडवाना-कुचामन, खैरथल-तिजारा, ब्यावर, बाड़मेर, डीग, कोटपूतली-बहरोड़ एवं सलूम्बर में स्थाई लोक अदालत खोली जाएंगी। उल्लेखनीय है कि लोक अदालतें विवादों के त्वरित और किफायती समाधान की व्यवस्था है। इसमें आपसी सहमति से निर्णय किए जाते हैं, जिससे आमजन के समय और धन दोनों की बचत होती है। मुख्यमंत्री के इस निर्णय को न्याय व्यवस्था को आमजन के और अधिक निकट लाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। नए जिलों में स्थायी लोक अदालतों की स्थापना से स्थानीय स्तर पर ही विभिन्न प्रकार के विवादों के त्वरित निस्तारण का मार्ग प्रशस्त होगा। इससे लोगों को छोटे-छोटे मामलों के लिए दूर स्थित न्यायालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और न्याय तक उनकी पहुंच पहले की तुलना में अधिक आसान होगी। स्थायी लोक अदालतों में विशेष रूप से सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से जुड़े विवादों सहित अन्य मामलों का आपसी सहमति और सुलह के आधार पर समाधान किया जाता है।

विधानसभा का मानसून सत्र 20 अगस्त से

जयपुर। विधानसभा का मानसून सत्र 20 अगस्त से शुरू होगा। यह सत्र भी बजट सत्र की तरह ही हंगामेदार रहेगा। यूसीसी बिल के अलावा कई मुद्दों पर हंगामा होना तय है। राज्यपाल ने विधानसभा सत्र बुलाने की मंजूरी दे दी है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद विधानसभा ने सत्र बुलाने की अधिसूचना जारी कर दी है। मानसून सत्र में इस बार सरकार समान नागरिक संहिता (UCC) को बहस के बाद पारित करवाएगी। यूसीसी बिल पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव के आसार हैं। यूसीसी बिल के ड्राफ्ट को लेकर आम लोगों से भी राय ली जा रही है।

आम लोगों की राय को यूसीसी बिल में शामिल किया जाएगा। इस राय के आधार पर ही यूसीसी बिल फाइनल करके सदन में रखा जाएगा। विधानसभा का मानसून सत्र सप्ताह भर तक चलने के आसार हैं। सत्र को लेकर फाइनल फैसला विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति (BAC) की बैठक में होगा। 20 अगस्त या इससे पहले विधानसभा में बीएसी की बैठक बुलाए जाने के आसार हैं। बीएसी की बैठक में ही मानसून सत्र का कामकाज तय होगा। विधानसभा का मानसून सत्र बजट सत्र की तरह ही हंगामेदार रहेगा। यूसीसी बिल के अलावा कई मुद्दों पर हंगामा होना तय है। पेपरलीक पर जेन जी के आंदोलन, सीमावर्ती जिलों में धार्मिक स्थल तोड़ने के मुद्दे पर कांग्रेस सदन में हमलावर रुख अपनाएगी। पेपरलीक के मुद्दे पर कांग्रेस और बीजेपी के बीच सदन में विवाद होना तय है। नीट पेपरलीक के मुद्दे पर कांग्रेस सत्ता पक्ष को घेरने का प्रयास करेगी। बीजेपी विधायक कांग्रेस सरकार के दौरान हुए पपेरलीक के मुद्दे से उसका जवाब देंगे। पहले भी इस मुद्दे पर खूब हंगामा हुआ है। मानसून सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच कई महत्वपूर्ण विषयों पर तीखी बहस होने की संभावना जताई जा रही है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक को लेकर जहां सत्ता पक्ष इसे व्यापक जनहित और समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बता रहा है, वहीं विपक्ष इसके विभिन्न प्रावधानों और प्रक्रिया को लेकर सरकार से जवाब मांग सकता है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने नीट स्कोर को चुनौती देने वाले 4 छात्रों पर 5,000 रुपए का जुर्माना लगाया

छत्रपति संभाजीनगर। बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को चार नीट उम्मीदवारों पर 5,000 रुपए प्रति छात्र का जुर्माना लगाया। इन उम्मीदवारों ने गलत जानकारी के आधार पर याचिकाएं दायर की थीं और इस महीने की शुरुआत में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित नतीजों को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ताओं (ऋचा, सोहम, अथर्व और राहुल) को हाई कोर्ट की छत्रपति संभाजीनगर बेंच में सुनवाई के दौरान जस्टिस एनबी सूर्यवंशी और जस्टिस एडी शिंदे की डिवीजन बेंच ने मुकदमे के खर्च के तौर पर 5,000 रुपए प्रति छात्र जमा करने का आदेश दिया। हाई कोर्ट ने सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया और कहा कि याचिकाकर्ताओं ने गलत और बिना किसी ठोस आधार वाली जानकारी के साथ कोर्ट का रुख किया था। याचिकाओं में आरोप लगाया गया था कि 21 जून को दोबारा हुई नीट परीक्षा के बाद एनटीए द्वारा घोषित नतीजे गलत थे और याचिकाकर्ताओं की आंसर शीट के मूल्यांकन में गड़बड़ी थी।

राज्यसभा में घनश्याम तिवाड़ी ने उठाया शेखावाटी के पेयजल संकट का मुद्दा, 7000 करोड़ की योजना को शीघ्र मंजूरी देने की मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में लंबे समय से बनी पेयजल समस्या का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए केंद्र सरकार से इंदिरा गांधी नहर परियोजना के अंतर्गत कुंभाराम लिफ्ट पेयजल योजना को जल्द मंजूरी देने की मांग की। उन्होंने सदन में कहा कि सीकर शहर सहित आसपास के 864 गांवों में भूजल के अत्यधिक दोहन के कारण गंभीर जल संकट पैदा हो गया है। किसानों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी पीने के पानी की भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए केंद्र और राजस्थान सरकार ने संयुक्त रूप से योजना तैयार की है, जिसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) बन चुकी है तथा भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि लगभग 7000 करोड़ रुपये की यह परियोजना वर्तमान में केंद्र सरकार के पास विचाराधीन है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि योजना को शीघ्र स्वीकृति देकर कार्य प्रारंभ कराया जाए ताकि शेखावाटी क्षेत्र के लाखों लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने अपने संबोधन में शेखावाटी के देशभक्ति में योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सेना में इस क्षेत्र के जवानों की संख्या उल्लेखनीय है और कारगिल युद्ध में भी यहां के अनेक सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। इसके साथ ही उन्होंने खाटू श्यामजी, जीण माता, सालासर बालाजी, लोहार्गल परिक्रमा और रेवासा धाम जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों का उल्लेख करते हुए कहा कि हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं, इसलिए क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है। सांसद ने कहा कि पेयजल संकट के कारण कई गांवों में पलायन जैसी स्थिति बन रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, हरियाणा और राजस्थान सरकारों द्वारा शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौते को लेकर आभार व्यक्त

किया तथा कहा कि यदि प्रस्तावित पेयजल योजना को भी शीघ्र मंजूरी मिल जाती है तो पूरे क्षेत्र के लिए यह ऐतिहासिक राहत साबित होगी। घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में भूजल का स्तर लगातार गिरने और अधिकांश स्थानों पर पानी की गुणवत्ता प्रभावित होने से पेयजल संकट वर्ष दर वर्ष गंभीर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई गांवों में लोगों को दूर-दराज के क्षेत्रों से पानी लाना पड़ता है, जबकि किसानों को भी सिंचाई और पेयजल की दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में दीर्घकालिक समाधान के रूप में प्रस्तावित पेयजल परियोजना का शीघ्र क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है। सांसद ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति देकर वित्तीय और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि निर्माण कार्य जल्द शुरू हो सके। ऐसे में इस योजना को समयबद्ध तरीके से लागू करना क्षेत्र के लाखों लोगों के हित में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

प्रकृति, पर्यावरण और समस्त सृष्टि का सम्मान हमारे अस्तित्व के मूल में है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए देशवासियों को भारतीय संस्कृति के गूढ़ दर्शन, पर्यावरण संरक्षण और सनातन परंपराओं से जुड़ने का एक खास संदेश दिया है। संस्कृत श्लोकों (सुभाषित) और उनके मर्मस्पर्शी हिंदी अर्थों के माध्यम से प्रधानमंत्री ने एक स्वस्थ, समृद्ध और सशक्त भारत के निर्माण का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने प्रकृति के प्रति सेवाभाव और कृतज्ञता व्यक्त करने की बात कही। उन्होंने लिखा, 'प्रकृति, पर्यावरण और समस्त सृष्टि का सम्मान हमारे अस्तित्व के मूल में है। आइए, हम इनके प्रति पूरी कृतज्ञता और सेवाभाव के साथ एक स्वस्थ, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में सहभागी बनें।' दिशाओं के रक्षक देवता, इंद्र आदि प्रमुख देवगण, छह ऋतुएं, सभी मास, वर्ष, रात्रियां, दिन और शुभ मुहूर्त सदैव कल्याणकारी हों। वेद, स्मृतियां और धर्म भी सभी प्रकार से सर्वत्र सबकी रक्षा करें।

'छात्रों पर पेलेट गन क्यों चली?' खरगे का केंद्र पर हमला, अमित शाह के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में एंटी पेपर बिल पास होने के बाद गुरुवार को राज्य सभा में पेश किया गया। केंद्रयी मंत्री जितेंद्र सिंह ने यह बिल उच्च सदन में पेश किया है। इस बिल पर चर्चा की शुरुआत राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने की। इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज कराने के लिए, आंसू गैस के गोले छोड़ने के लिए और पेलेट गन का इस्तेमाल करने का आदेश किसने दिया। छात्रों पर पेलेट गन क्यों चलाई गई? उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि मैं सरकार से पूछना चाहता हूं, आप अमित शाह की हिफाजत करना चाहते हैं, लेकिन बहुत दिन तक नहीं कर सकते हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रोटेस्ट के दौरान सादे कपड़े में छात्रों को पीटने वाले लोग कौन थे? इनके सूत्रधार कौन थे? अगर इन सवालों का गृह मंत्री जवाब नहीं दे सकते तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी को उनको पूछना चाहिए। चर्चा के लिए जो पब्लिक एग्जामिनेशन (संशोधन) विधेयक, 2026 लाया गया है, उसमें आपने सिर्फ आंकड़े और प्रावधान बदल दिए हैं।

ज्योति मिर्धा बोलीं-बंद कमरे में नेताओं के पैर छूते हनुमान बेनीवाल

अजमेर। अजमेर में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ज्योति मिर्धा ने कहा- हनुमान बेनीवाल अलग तरीके के राजनीतिज्ञ हैं, जो सिर्फ गिद्ध टाइप की राजनीति करते हैं। जहां कहीं भी नेगेटिव सेंटिमेंट दिखता है, उसे बनाने का प्रयास करते हैं। जहां इनको जरूरत पड़ती है, बंद कमरे में जाकर नेताओं के पैर छू लेते हैं। कभी कहते हैं कि मैं इस सरकार में आ जाता हूं। कभी कहते हैं कि मैं उस सरकार में आ जाता हूं। उनकी बात को मैं बहुत सीरियसली नहीं लेती। नगर निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर भाजपा ने गुरुवार को अजमेर के भुनाबाय स्थित संभाग कार्यालय में चुनाव संचालन समिति की बैठक कर चुनावी तैयारियों का आगाज कर दिया। इस दौरान डॉ. ज्योति मिर्धा ने यह कहा। ज्योति मिर्धा ने कहा- हनुमान बेनीवाल की कोशिश रहती है कि लोगों को किस तरीके से गांवों में बरगलाया जाए। डॉ. ज्योति मिर्धा ने कहा- हनुमान बेनीवाल की कोशिश रहती है कि भाजपा से नाराज या बागी नेताओं को अपने साथ जोड़कर राजनीतिक फायदा उठाया जाए। अब जनता उनकी राजनीति को समझ चुकी है। जिन क्षेत्रों को आरएलपी

का गढ़ माना जाता था, वहां भी पार्टी का प्रभाव कम हुआ है। कांग्रेस की स्थिति भी नागौर में कमजोर है, जिसका लाभ भाजपा को मिलेगा। उन्होंने कहा- भाजपा नागौर में कमजोर नहीं है।

जिले के पांच विधायकों में चार भाजपा के हैं। पार्टी नगर निकाय और पंचायती राज चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी। ज्योति मिर्धा ने कहा- गांव और शहर के लोगों की जिंदगी पर सबसे अधिक असर इन्हीं चुनाव का पड़ता है, इसलिए संगठन पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगा। बैठक की अध्यक्षता पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और अजमेर संभाग प्रभारी अशोक परनामी ने की। बैठक में संभाग के सभी जिलों के विधायक, पूर्व विधायक, जिलाध्यक्ष और वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान भाजपा नेताओं ने आगामी नगर निकाय और पंचायती राज चुनावों के मद्देनजर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कार्यकर्ताओं के साथ नियमित संवाद बनाए रखने पर जोर दिया। पदाधिकारियों से कहा गया कि वे प्रत्येक क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान को गति दें तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं। संगठनात्मक समन्वय और जमीनी स्तर पर सक्रियता को चुनावी सफलता का प्रमुख आधार बताया गया।

संपादकीय

राजकाज ई-फाइलिंग में लापरवाही पर शिक्षा विभाग सख्त, मैपिंग बिना काम शुरू नहीं करने के निर्देश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। प्रारंभिक शिक्षा विभाग राजस्थान ने राजकाज के ई-फाइलिंग मॉड्यूल पर कार्मिकों की मैपिंग को लेकर सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (मुख्यालय) और मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने कहा है कि कई मामलों में अधिकारी-कर्मचारी अपने नए पदस्थापन के बाद भी पुराने कार्यालय की मैपिंग से ही ई-फाइल और ई-डाक का कार्य करते रहते हैं, जिससे विभिन्न कार्यालयों की फाइलें और डाक एक ही लॉगिन में मिश्रित हो जाती हैं। विभाग के अनुसार ऐसी स्थिति में कार्यभार हस्तांतरण के दौरान असंबंधित डाटा भी दूसरे कार्मिक के पास चला जाता है और प्रशासनिक विरोधाभास उत्पन्न हो जाता है।

पन्नाधाय बाल गोपाल योजना में पाउडर मिल्क भंडारण व वितरण पर सख्ती, लापरवाही पर व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय होगी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी एवं संवेदनशील पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के अंतर्गत विद्यालयों में वितरित किए जा रहे पाउडर मिल्क के सुरक्षित भंडारण, भौतिक सत्यापन, वितरण, गुणवत्ता नियंत्रण तथा प्रभावी मॉनिटरिंग को लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने कड़े निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि योजना के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही, दुरुपयोग या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। जारी निर्देशों में बताया गया है कि राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (RCDF) द्वारा विद्यालयों तक पाउडर मिल्क उपलब्ध कराया जाता है और विद्यार्थियों को इससे तैयार दूध पिलाया जाता है। योजना के पारदर्शी संचालन के लिए वर्ष 2022 से अब तक कई बार विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं, जिनकी अक्षरशः पालना अनिवार्य है। विभाग ने हाल ही में कुछ समाचार पत्रों में प्रकाशित उन खबरों को गंभीरता से लिया है जिनमें पाउडर मिल्क के भंडारण, उपयोग, वितरण तथा दुरुपयोग संबंधी अनियमितताओं का उल्लेख किया गया था। निदेशालय ने कहा कि ऐसे प्रकरण शासन की मंशा के विपरीत हैं और यह संकेत देते हैं कि पूर्व में जारी निर्देशों की प्रभावी अनुपालना तथा सतत मॉनिटरिंग अपेक्षित स्तर पर नहीं हो रही है। पत्र में चेतावनी दी गई है कि यदि समय रहते प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो पाउडर मिल्क के दुरुपयोग, अनियमित वितरण, एक्सपायर सामग्री के उपयोग अथवा सार्वजनिक धन की हानि जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारी और कार्मिक जिम्मेदार माने जाएंगे। निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे पूर्व में जारी सभी दिशा-निर्देशों का पुनः अध्ययन कराते हुए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, पीईईओ, यूसीईईओ, संस्था प्रधान एवं संबंधित कार्मिकों को तत्काल लिखित आदेश जारी करें और उनकी शत-प्रतिशत अनुपालना सुनिश्चित करें। साथ ही आगामी मांग-पत्र भेजने से पहले भौतिक सत्यापन एवं रिकॉर्ड मिलान अनिवार्य रूप से किया जाए।

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने गंगा माता मंदिर में 51 दीप प्रज्वलित कर गुरु रविदास महाराज को किया नमन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, सरदारशहर के कार्यकर्ताओं ने गंगा माता मंदिर में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के दर्शन कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे 'समरस संकल्प अभियान' के अंतर्गत मंदिर परिसर में 51 दीप प्रज्वलित कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं प्रधान प्रतिनिधि मधुसूदन राजपुरोहित ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो समाज में समरसता स्थापित करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अन्य राजनीतिक दल जातियों को आपस में लड़ाकर वोट बैंक की राजनीति करते हैं, जबकि भाजपा संतों एवं महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि भाजपा द्वारा संचालित 'समरस संकल्प अभियान' आगामी फरवरी माह तक चलेगा, जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के समरसता, समानता एवं सामाजिक सद्भाव के संदेश को आमजन तक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में डेयरी चेयरमैन लालचंद मुंड, भूमि विकास बैंक के चेयरमैन ईश्वर राम डूडी, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष मुरलीधर सैनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश भामा, दुनीचंद जोशी, पार्षद राकेश जगरवाल, राधेश्याम भार्गव, रामनिवास पारीक, स्योकरण पोटलिया, महामंत्री पवन सैनी, संपत डोसी, कमल नाई, जगदीश पींगोलिया, विनोद बगड़िया, राजकरण सोनी, विक्रम जोशी, नितिन स्वामी, शिवराज बाकोलिया, भागीरथ मल रेगर, धर्मचंद बाकोलिया, रूपचंद जगरवाल, पोकरमल बाकोलिया, कन्हैया लाल खेड़ीवाल, चुन्नीलाल रेगर सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के जीवन, उनके सामाजिक योगदान और मानवता के प्रति उनके संदेशों का स्मरण करते हुए कहा कि उनके विचार आज भी समाज को समानता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास ने जाति, वर्ग और भेदभाव से ऊपर उठकर सभी मनुष्यों को समान दृष्टि से देखने की प्रेरणा दी, जो आज के समय में भी अत्यंत प्रासंगिक है। भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि 'समरस संकल्प अभियान' का उद्देश्य केवल आयोजन करना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक संतों और महापुरुषों के आदर्शों को पहुंचाना है। अभियान के तहत विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने सामाजिक समरसता, सेवा और सद्भाव की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता को सकारात्मक बताते हुए वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने के साथ-साथ नई पीढ़ी को संत महापुरुषों के जीवन और उनके आदर्शों से परिचित कराने का भी प्रभावी माध्यम बनते हैं। कार्यक्रम का समापन गुरु रविदास महाराज के बताए मार्ग पर चलने और समाज में प्रेम, समानता तथा सद्भाव की भावना को सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित जनों ने उनके विचारों को आत्मसात कर सामाजिक एकता और समावेशी समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया तथा अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने अपने विचारों और कर्मों से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाई तथा समान अवसर, मानवीय गरिमा और परस्पर सम्मान का संदेश दिया।

आदेश की अवहेलना पर सख्ती: राजस्थान लेखा सेवा अधिकारियों को 31 जुलाई सुबह तक कार्यग्रहण के निर्देश

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राज्य सरकार ने राजस्थान लेखा सेवा अधिकारियों के स्थानांतरण आदेशों की अनुपालना नहीं करने पर सख्त रुख अपनाया है। वित्त (राजस्व) विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि 10 जुलाई 2026 को जारी स्थानांतरण एवं पदस्थापन आदेशों के बावजूद कुछ अधिकारियों ने अब तक अपने नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया है।

संयुक्त शासन सचिव पवन जैमन द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सक्षम स्तर से जारी आदेशों की पालना नहीं करना राज्यादेशों की अवहेलना एवं अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है, जिसे अत्यंत गंभीर माना गया है।

सरकार ने ऐसे सभी स्थानांतरित अधिकारियों को उनके वर्तमान पद से तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त करते हुए निर्देशित किया है कि वे बिना कार्यग्रहण अवकाश का उपयोग किए 31 जुलाई 2026 पूर्वाह्न तक अपने नवीन पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण करें। विभाग ने अधिकारियों से कार्यग्रहण प्रतिवेदन ई-मेल jsfrevenue@rajasthan.gov.in पर भेजने के निर्देश भी दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि राज्यादेशों की पालना को अत्यावश्यक मानते हुए समयसीमा में अनुपालना सुनिश्चित की जाए। सरकार ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय तक कार्यग्रहण नहीं करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। आदेश राज्यपाल की आज्ञा से जारी किया गया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार सरकार स्थानांतरण आदेशों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने के लिए इस मामले की लगातार निगरानी कर रही है। अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी स्थानांतरण आदेशों की समयबद्ध पालना प्रत्येक सरकारी कर्मचारी का दायित्व है और इसमें अनावश्यक विलंब या आदेशों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी।

हेल्थ डाटा की समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। पीएम पोषण योजना के तहत PMPOSHAN-MIS पोर्टल पर सत्र 2026-27 के लिए वार्षिक, मासिक और स्कूल जारी किए गए हैं। आयुक्त पीएम पोषण राजस्थान विश्व मोहन शर्मा द्वारा जारी आदेश में जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों की जिम्मेदारियां स्पष्ट करते हुए पोर्टल पर प्रदर्शित विद्यालयों की जानकारी का सत्यापन करने को कहा गया है। निर्देशों के अनुसार जिला स्तर पर स्कूल मास्टर में ब्लॉकवार विद्यालयों का विवरण जांचा जाएगा। बंद अथवा योजना से बाहर विद्यालयों को डिएक्टिव तथा नवीन संचालित विद्यालयों को एक्टिव करना होगा। विद्यालय का नाम, प्रशासनिक विभाग और लाभार्थी समूह के अनुसार श्रेणी को भी अद्यतन करना अनिवार्य किया गया है। यू-डाइस कोड अथवा प्रशासनिक क्षेत्र में परिवर्तन की स्थिति में सूचना राज्य स्तर पर ईमेल के माध्यम से भेजनी होगी। आधार नामांकन और आधार प्रमाणीकरण से संबंधित रिपोर्टों का मिलान कर त्रुटि मिलने पर संशोधन करने के निर्देश दिए गए हैं।

छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर पानी की टंकी पर चढ़े NSUI के छात्र

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग एक बार फिर तेज होती दिखाई दे रही है। राजधानी जयपुर के गांधी नगर रेलवे स्टेशन परिसर में गुरुवार को उस समय हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जब नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (NSUI) के तीन छात्र नेता पानी की ऊंची टंकी पर चढ़ गए। छात्र नेताओं ने प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव जल्द कराने और दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में यह अनोखा प्रदर्शन किया।

टंकी पर चढ़े नेताओं ने हाथों में पोस्टर लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और छात्र हितों की अनदेखी का आरोप लगाया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंच गईं और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। पानी की टंकी पर चढ़े राजस्थान विश्वविद्यालय के NSUI प्रभारी विजयपाल कुड़ी, छात्र नेत्री वियोना जाट और छात्र नेता कोशेन खान ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव केवल विश्वविद्यालय की राजनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह युवाओं के लिए लोकतंत्र की पहली पाठशाला हैं।

उनका कहना था कि छात्रसंघ चुनावों के माध्यम से विद्यार्थियों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने, जिम्मेदारी निभाने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझने का अवसर मिलता है। यदि लगातार चुनाव नहीं कराए जाते हैं तो छात्रों के लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और नेतृत्व विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

प्रदर्शनकारी छात्र नेताओं ने आरोप लगाया कि राजस्थान में पिछले चार वर्षों से छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए गए हैं।

उनका कहना था कि बीते वर्ष भी चुनाव नहीं हुए और नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के बावजूद सरकार की ओर से चुनाव कराने को लेकर अब तक कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब विधानसभा और लोकसभा चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था का अहम हिस्सा हैं, तो विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों को अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार क्यों नहीं दिया जा रहा है।

राज्य स्तरीय स्कूल खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए नई गाइडलाइन जारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा एवं पंचायती राज (प्रारम्भिक शिक्षा) राजस्थान, बीकानेर सीताराम जाट ने सत्र 2026-27 की जिला एवं राज्य स्तरीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन, खिलाड़ी पात्रता, चयन प्रक्रिया तथा अभिलेख प्रबंधन संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद, जयपुर द्वारा संचालित खेल छात्रावासों और चयनित खिलाड़ियों की खेलवार सूची पूर्ण विवरण सहित संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) प्रारम्भिक शिक्षा को 25 अगस्त 2026 तक उपलब्ध करानी होगी। जिला स्तर पर जांच और प्रमाणीकरण के बाद यह सूची 30 अगस्त 2026 तक निदेशालय को भेजी जाएगी। समय पर सूची नहीं भेजने वाले खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के ड्रॉ में शामिल नहीं किया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर सामान्यतः विजेता विद्यालय में लगाया जाएगा।

मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद 7 मरीजों की आंखों में संक्रमण की आशंका, अस्पताल का ऑपरेशन थिएटर सीज

एजेंसी, थिंक राजस्थान

कुचामन सिटी। डीडवाना-कुचामन जिले के राजकीय जिला अस्पताल, कुचामन सिटी में मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद सात मरीजों की आंखों में पोस्ट सर्जिकल संक्रमण की आशंका सामने आने से चिकित्सा विभाग में हलचल मच गई है। मामले को गंभीर मानते हुए सभी सात मरीजों को बेहतर इलाज के लिए जयपुर स्थित सवाई मानसिंह (SMS) अस्पताल रेफर कर दिया गया है। साथ ही एहतियात के तौर पर अस्पताल के नेत्र रोग विभाग के ऑपरेशन थिएटर को तत्काल सीज कर दिया गया है और पूरे मामले की जांच के आदेश जारी किए गए हैं। जानकारी के अनुसार 28 जुलाई को राजकीय जिला अस्पताल के नेत्र रोग विभाग में सात मरीजों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन किए गए थे। अगले दिन जब मरीजों की नियमित जांच की गई तो उनकी ऑपरेशन वाली आंखों में कुछ असामान्य लक्षण दिखाई दिए। चिकित्सकों ने विस्तृत परीक्षण किया तो संक्रमण की आशंका सामने आई। स्थिति को देखते हुए पहले पांच मरीजों को तुरंत जयपुर के SMS अस्पताल भेजा गया। बाद में बाकी दो मरीजों को भी रेफर कर दिया गया, जिससे सभी सात मरीज विशेषज्ञों की निगरानी में उपचार प्राप्त कर सकें। घटना की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर अवधेश मीणा ने मामले को गंभीरता से लिया और कुचामन उपखंड अधिकारी सुरेंद्र सिंह चौधरी को जिला अस्पताल भेजा। एसडीएम ने अस्पताल पहुंचकर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. बलबीर ढाका, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजकुमारी और डॉ. विनोद से पूरे घटनाक्रम की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद नियमानुसार नेत्र रोग विभाग के ऑपरेशन थिएटर को सीज करने की कार्रवाई करवाई गई, ताकि जांच पूरी होने तक वहां किसी प्रकार की सर्जरी नहीं की जा सके। घटना के बाद चिकित्सा विभाग ने पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। इसी कारण सभी मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया है।

आबकारी आयुक्त के निर्देशन में कार्रवाई— प्रदेश में निरोधात्मक दलों ने की अवैध मदिरा जब्त

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेश में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय, भण्डारण एवं परिवहन पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत आबकारी निरोधक दलों द्वारा कार्रवाई की जा रही है। निरोधात्मक गतिविधियों में वृद्धि से शराब की तस्करी पर अंकुश लगाने में सफलता मिली है। प्रदेश में आबकारी निरोधक दलों के कार्रवाई के तहत चित्तौड़गढ़ जिले के डूंगला एवं बेगूं में दबिश की कार्रवाई करते हुए 700 लीटर वॉश नष्ट किया और 77 बोतल अवैध हथकड़ शराब बरामद कर अभियोग दर्ज किया गया। जोधपुर शहर सरदारपुरा एवं लूणी थाना क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई के तहत 288 पव्वे देशी मदिरा, 36 बोतल किंगफिशर बीयर, 23 पव्वे आरएमल एवं 2 लीटर हथकड़ शराब जब्त की गई। भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी के दुर्गम क्षेत्र में दबिष देकर 1800 लीटर वॉश नष्ट कर 40 लीटर हथकड़ शराब जब्त की। मौके से अवैध मदिरा के निर्माण में लिप्त 2 महिलाओं को भी गिरफ्तार किया। इसी क्रम में भीलवाड़ा के कुवाड़ा खान क्षेत्र में 3 हजार लीटर वॉश एवं 4 पुरानी भट्टियां नष्ट की गई। नाकाबंदी व दबिश दी जा रही है जिससे अवैध मदिरा पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

अनशन पर बैठे छात्र नेता शुभम रेवाड़ को पुलिस ने उठाया, एसएमएस अस्पताल में भर्ती, लिखित आदेश तक अन्न ग्रहण नहीं करने का ऐलान

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में पिछले आठ दिनों से आमरण अनशन पर बैठे छात्र नेता शुभम रेवाड़ को गुरुवार सुबह बिगड़ती तबीयत के चलते पुलिस और प्रशासन ने अनशन स्थल से हटाकर एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

शुभम रेवाड़ राजस्थानी भाषा विभाग की स्थापना और छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर अनशन पर बैठे हैं। अस्पताल पहुंचने के बाद उन्होंने कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर लिखित आदेश जारी नहीं करती, तब तक वे अन्न ग्रहण नहीं करेंगे। वहीं, छात्र समर्थकों ने कहा कि अस्पताल में भर्ती कराने से आंदोलन खत्म नहीं हुआ है और उनकी दोनों मांगों को लेकर संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। पुलिस का कहना है कि स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण एहतियात के तौर पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुभम रेवाड़ को अस्पताल ले जाए जाने के बाद भी विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों का जमावड़ा बना रहा। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि उनकी मांगें लंबे समय से लंबित हैं और कई बार संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखने के बावजूद कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

राजस्थान/ प्रादेशिक

निवृत्तिकुमारी मेवाड़ का संदेश: विदेशी भाषा सीखो, लेकिन मायड़ भाषा कभी मत छोड़ो

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी के तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम 'ओरिएंट 2026' के दूसरे दिन उदयपुर के पूर्व राजपरिवार की सदस्य निवृत्तिकुमारी मेवाड़ ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए मातृभाषा, संस्कृति, नेतृत्व और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि दुनिया की कोई भी भाषा सीखने में संकोच नहीं होना चाहिए, लेकिन अपनी मातृभाषा और संस्कृति को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। राजस्थानी में उन्होंने कहा, "विदेसी भाषा सीखजो, पण मायड़ भासा कदे मत छोड़जो।" उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति और विरासत का आधार है। संवाद के दौरान उन्होंने कहा कि सच्चा नेतृत्व पद या शक्ति से नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा और त्याग से बनता है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने, अच्छे मित्र चुनने और जीवनभर सीखते रहने की सलाह दी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर उन्होंने कहा कि तकनीक तेजी से आगे बढ़ रही है, लेकिन एआई कभी भी इंसानी संवेदनाओं, भावनाओं और सहानुभूति का स्थान नहीं ले सकता। कार्यक्रम में जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी की डायरेक्टर–पीपल एंड कल्चर ध्रुवी अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक तैयार करना है। इस अवसर पर फाइनेंशियल एजुकेटर जयंत मुंधड़ा ने विद्यार्थियों को नई स्किल्स सीखने, धैर्य रखने और बदलती प्रोफेशनल दुनिया के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। वहीं लिंक्डइन स्ट्रैटेजिस्ट मीती शाह और एआई कंटेंट क्रिएटर यशिका साधवानी ने डिजिटल युग में पर्सनल ब्रांडिंग, रचनात्मकता और सार्थक कंटेंट की अहमियत बताई। कार्यक्रम के एलुमनाई इंटरैक्शन सत्र में पूर्व विद्यार्थियों ने अपने संघर्ष और सफलता के अनुभव साझा करते हुए वर्तमान विद्यार्थियों को करियर, उच्च शिक्षा और रोजगार के बदलते अवसरों के बारे में मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता के साथ मानवीय मूल्यों को भी समान महत्व देने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ज्ञान, नवाचार और रचनात्मक सोच सफलता की आधारशिला हैं, लेकिन इनके साथ नैतिकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है।

अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने वाला ही गुरु है : विमर्शानंद जी महाराज

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, बीकानेर महानगर इकाई एवं आईएएसई (टी.टी. कॉलेज) के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय आईएएसई (टी. टी. कॉलेज) में मूलचंद वोहरा के मार्गदर्शन में गुरुपूर्णिमा उत्सव गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ। लालेश्वर महादेव मंदिर के पीठाधीश विमर्शानंद जी महाराज ने कहा कि गुरु वही है, जो शिष्य को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाए। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है और उसका सान्निध्य जीवन को सही दिशा प्रदान करता है। मुख्य वक्ता डॉ. श्रीनिवास शर्मा ने गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय ज्ञान परंपरा एवं जीवन-निर्माण में गुरु की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देता, बल्कि संस्कार, दृष्टि और जीवन-मूल्यों का भी संवाहक होता है। वरिष्ठ साहित्यकार मोनिका गौड़ ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता आईएएसई के प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार आर्य ने की। शुभारंभ अरुण कुमार जोशी की गुरु-वंदना से हुआ। अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान भावना सोनी, अरुणा बैंस तथा गीता बलवदा ने माल्यार्पण, श्रीफल एवं उत्तरीय अर्पित कर किया।इस अवसर पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद के अखिल भारतीय लोक आयाम प्रमुख डॉ. अन्नाराम शर्मा, डॉ. शिवराज भारतीय, जगदीश रतनू, के.एल. बिश्नोई, के.के. शर्मा, गिरधरदान रतनू, रेणु वर्मा, कैलाश टाक, रीता आहूजा भुवनेश्वरी राजोरिया,किशनलाल , बह्मदेव सैनी, अरशद अली, राधाकिशन हुड्डा, निशा जनागल,कपिल यादव,रवि, जगदीश, जितेंद्र,मोहिनी,देवी, सहित संस्थान के प्राध्यापक, विद्यार्थी, साहित्यकार एवं बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

शाला दर्पण में प्रपत्र-10 भरने की अंतिम तिथि 15 अगस्त 2026 तक बढ़ाने की मांग

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के जिला अध्यक्ष आनंद पारीक ने निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर से शाला दर्पण पोर्टल पर प्रपत्र-10 भरने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 अगस्त 2026 तक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया, नामांकन, विभिन्न विभागीय कार्य, परीक्षाओं की तैयारियां तथा अन्य प्रशासनिक दायित्व एक साथ चल रहे हैं। ऐसे में अनेक विद्यालय समय पर प्रपत्र-10 का कार्य पूर्ण नहीं कर पा रहे हैं। साथ ही पोर्टल विद्यालय समय ओर उसके बाद में भी रुक रुक के चल रहा है। संगठन के यतीश वर्मा ने सुझाव दिया कि शाला दर्पण पर उपलब्ध अन्य प्रपत्रों एवं पूर्व में दर्ज सूचनाओं के आधार पर अधिकांश डेटा स्वतः प्रपत्र-10 में उपलब्ध कराया जाए, ताकि शिक्षकों को बार-बार वही जानकारी भरने की आवश्यकता न पड़े। इससे समय की बचत होगी तथा त्रुटियों की संभावना भी कम होगी। साथ ही पोर्टल को 24 घंटे चलाने का आग्रह किया गया। संगठन का मानना है कि इससे विद्यालयों के प्रशासनिक कार्य भी अधिक व्यवस्थित ढंग से संपादित होंगे।

एक व्यक्ति-एक पेड़ का लें संकल्प: अजय कुमार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहरु। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बादड़िया में गुरुवार को पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि अजय कुमार ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी सुरक्षा का जिम्मा लेना चाहिए। भरत लाल सैनी ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने और अधिकाधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के शीशराम, सीताराम, छगन लाल, सीताराम स्वामी, दिनेश कुमार, विकास कुमार, सुभाष चन्द्र और ओमप्रकाश मीणा ने सक्रिय सहयोग दिया।

बापी में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन : किसानों को वितरित किए गए केसीसी एटीएम

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बापी। बापी ग्राम पंचायत में आयोजित 'ग्रामीण सेवा शिविर' के दौरान सहकारिता विभाग एवं बापी ग्राम सेवा सहकारी समिति (GSS) के संयुक्त तत्वावधान में क्षेत्र के काश्तकार किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) एटीएम कार्ड का वितरण किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि व शिविर प्रभारी एसडीएम (SDM) नवज्योति कंवरिया ने किसानों को एटीएम कार्ड सौंपते हुए सहकारिता विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। केसीसी एटीएम कार्ड वितरण कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ

सहकारिता समिति के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इस अवसर परः प्रशासनिक अधिकारीः नायब तहसीलदार मालीराम टेलर, गिरदावर (भू-अभिलेख निरीक्षक) चंद्रशेखर शर्मा और ब्लॉक विकास अधिकारी (VDO)। समिति प्रतिनिधिः समिति व्यवस्थापक रामदास स्वामी, समिति अध्यक्ष सुमन शर्मा, गिरिराज शर्मा, मुरलीधर गुर्जर, बनवारी योगी, भंवर सिंह राजपूत सहित अन्य गणमान्य नागरिक और किसान उपस्थित रहे। शिविर के दौरान किसानों को डिजिटल बैंकिंग और केसीसी एटीएम के सही उपयोग के बारे में भी जागरूक किया गया, जिससे वे अपनी कृषि जरूरतों के लिए आसानी से राशि का लेनदेन कर सकें। शिविर में अधिकारियों ने किसानों को बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड से जुड़ी बैंकिंग सुविधाओं का प्रभावी उपयोग करने से कृषि कार्यों के लिए समय पर वित्तीय सहायता प्राप्त करना आसान हो जाता है। इससे कृषि गतिविधियों के संचालन में सुविधा और पारदर्शिता दोनों बढ़ेंगी।

डोटासरा का भाजपा पर हमला, बोले- 5 साल में आरोप साबित नहीं हुए तो 'लानत' है

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा पर राजनीतिक द्वेष से प्रेरित होकर झूठे आरोप लगाने का आरोप लगाया। इस बयान का वीडियो उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी साझा किया। डोटासरा ने कहा कि राजनीतिक दुर्भावना के चलते उन पर लगातार अनर्गल आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "अगर पांच साल में भी मेरे खिलाफ लगाए गए आरोप साबित नहीं कर पाए, तो ऐसे लोगों पर लानत है जो मेरी छवि धूमिल करने के लिए दिन-रात षड्यंत्र करते हैं।" उन्होंने भाजपा सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि यदि आरोपों में दम है तो उनकी निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही उन्होंने राज्य के कृषि विभाग में कथित 500 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार इस मामले की भी जांच कराए। डोटासरा ने कहा कि यदि सरकार में हिम्मत है तो उनके साथ-साथ कृषि विभाग में कथित भ्रष्टाचार के मामले को लेकर मंत्री किरोड़ी लाल मीणा का भी नार्को टेस्ट कराया जाए।

समाचार लिखे जाने तक डोटासरा के आरोपों पर राज्य सरकार या संबंधित मंत्री की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। डोटासरा ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने की होती है, लेकिन यदि राजनीतिक मतभेदों को व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम बनाया जाता है तो इससे लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी और सरकार से जवाबदेही की मांग करती रहेगी।

खाटूश्याम मंदिर में आरती का समय बदला

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। खाटूश्याम मंदिर में श्रृंगार आरती और संध्या आरती के समय में बदलाव किया गया है। सावन महीने की शुरुआत के साथ ही दोनों आरती को 15 मिनट रीशेड्यूल किया गया है। मंदिर कमेटी ने भक्तों से नए शेड्यूल के अनुसार दर्शन व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।

श्रीश्याम मंदिर कमेटी के मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान ने बताया- बाबा श्याम की श्रृंगार आरती अब सुबह 7:15 बजे की बजाय सुबह 7 बजे होगी।

वहीं, संध्या आरती शाम 7:15 बजे की बजाय शाम 7:30 बजे होगी। मंदिर प्रशासन ने बताया कि सावन मास के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि को देखते हुए दर्शन और पूजा-अर्चना की व्यवस्थाओं में आवश्यक बदलाव किए गए हैं। आरती के समय में संशोधन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को अधिक सुव्यवस्थित और सुगम दर्शन उपलब्ध कराना है, ताकि भीड़ के दौरान व्यवस्थाओं का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

रोटरी क्लब का सेवा संकल्पः 170 जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिले स्कूल बैग

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। रोटरी क्लब, सरदारशहर ने स्व. शंकरलाल जोशी की 40वीं पुण्यतिथि पर गुरुवार को तीन राजकीय विद्यालयों में 170 जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए। इस अवसर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम महात्मा गांधी राजकीय प्राथमिक विद्यालय (गौशाला के पास), राजकीय प्राथमिक विद्यालय वार्ड-34 और राजकीय प्राथमिक विद्यालय (रेलवे स्टेशन) में आयोजित किया गया। इस सेवा प्रकल्प के लिए आर्थिक सहयोग स्व. शंकरलाल जोशी के पुत्र पवन कुमार जोशी ने प्रदान किया। रोटरी क्लब के वरिष्ठ सदस्य हुलासमल व्यास ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल बैग वितरण तक सीमित नहीं, बल्कि शिक्षा, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। उन्होंने रोटरी के मूल मंत्र "Service Above Self" (स्वयं से पहले सेवा) का उल्लेख करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रक्तदान और जरूरतमंदों की सहायता जैसे क्षेत्रों में क्लब की सेवाओं पर प्रकाश डाला। रोटेरियन डॉ. अशोक गुप्ता ने पवन कुमार जोशी और उनके परिवार का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरणादायक योगदान दिया है। क्लब अध्यक्ष विकास लखोटिया और सचिव वेदप्रकाश महर्षि ने विद्यालय परिवार, सहयोगियों और दानदाता का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक सौरभ रातूसरिया ने किया। इस दौरान महेश करनानी, मनोज व्यास, श्यामसुन्दर तोषनीवाल, देवकीनन्दन अग्रवाल, राजकुमार खटोड़, अंकुर जैसनसरिया, विशाल चांडक सहित दानदाता परिवार के सदस्य, विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। विद्यालय प्रशासन ने रोटरी क्लब और सहयोगी परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य शिक्षा के प्रति विश्वास, संवेदनशीलता और सामाजिक सहभागिता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर अध्ययन करने और अनुशासित जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

सरदारशहर में 'कोस्मो क्लीनिक एस्थेटिक एंड स्कीन सोल्यूशन' का शुभारंभ

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। दूगड़ विद्यालय रोड स्थित दीक्षा कॉम्प्लेक्स में गुरुवार को 'कोस्मो क्लीनिक एस्थेटिक एंड स्कीन सोल्यूशन' का भव्य शुभारंभ हुआ। क्लीनिक का उद्घाटन राजस्थान भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष शिखा बैद ने किया। इस अवसर पर उद्योगपति डॉ. विकास कुमार मालू, निवर्तमान सभापति राजकरण चौधरी, शंकरलाल भाटी (दिल्ली), जितेंद्र राजवी और सुबोध सेठिया सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। अतिथियों ने क्लीनिक की स्थापना पर शुभकामनाएं देते हुए इसके सफल संचालन की कामना की। क्लीनिक की संचालक डॉ. महिमा शर्मा ने बताया कि यहां त्वचा संबंधी विभिन्न समस्याओं का उपचार आधुनिक मशीनों और अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने महिलाओं सहित क्षेत्रवासियों से क्लीनिक का अवलोकन कर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम में चिकित्सा एवं व्यापार जगत से जुड़े डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. सुनीता गुप्ता, विनोद उड़सरिया, संजय कंदोई, राजेश सर्राफ, हरीश बैद, विजय सेठिया, वर्धमान सेठिया, विनीत पींचा, शांतिप्रकाश दूगड़, आनंद देरासरी, दीपक दूगड़, छतर पींचा और बालमुकुंद जैसनसरिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में डॉ. दिनेश बैद, अमित बैद, राजीव दूगड़, डॉ. रश्मि बैद और वंदना दूगड़ ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलती जीवनशैली और बढ़ते प्रदूषण के कारण त्वचा संबंधी समस्याओं में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे समय में अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ परामर्श से युक्त चिकित्सा केंद्र स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होना क्षेत्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह क्लीनिक गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में अपनी अलग पहचान स्थापित करेगा।

नाकाबंदी तोड़ पुलिस पर चढ़ाई बोलेरो, देशी कट्टे सहित एक आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सुजानगढ़/चूरू। चूरू जिले में संगठित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने नाकाबंदी तोड़कर पुलिस टीम पर बोलेरो चढ़ाने और जानलेवा हमला करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बोलेरो कैम्पर, एक देशी कट्टा, पांच मोबाइल फोन और एक नंबर प्लेट बरामद की गई है। मामले में शामिल तीन अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। थानाधिकारी गीता रानी विश्नोई ने बताया कि 29 जुलाई की शाम पुलिस टीम गोपालपुरा रोड पर गश्त कर रही थी। इस दौरान बिना नंबर की बोलेरो कैम्पर में चार संदिग्ध युवक बैठे दिखाई दिए। पुलिस को देखते ही आरोपी वाहन लेकर मेगा हाईवे की ओर फरार हो गए। आगे सुजानगढ़ थाना पुलिस की नाकाबंदी देखकर आरोपियों ने बोलेरो वापस मोड़ ली और पीछा कर रही पुलिस टीम के सरकारी वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गया तथा महिला उपनिरीक्षक गीता रानी और चालक कांस्टेबल देवाराम घायल हो गए। पुलिस ने बोलेरो की तलाशी के दौरान एक देशी कट्टा, पांच मोबाइल फोन और एक नंबर प्लेट बरामद की। मामले की जांच थानाधिकारी मुकेश चंद्र कर रहे हैं।

मनोरंजन समाचार

बॉलीवुड अभिनेत्री और निर्माता कीर्ति कुल्हारी हुई साइबर ठगी की शिकार, पुलिस जांच शुरू

बॉलीवुड जगत की मशहूर फिल्म अभिनेत्री और निर्माता कीर्ति कुल्हारी (43) के साथ साइबर धोखाधड़ी का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। अज्ञात अपराधियों ने उनके मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड का अनधिकृत एक्सेस हासिल कर महज कुछ ही मिनटों में 2,43,852 रुपए का फ्रॉड किया है। अभिनेत्री की शिकायत पर अंबोली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले को लेकर दर्ज एफआईआर के अनुसार, अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी वर्सोवा इलाके में रहती हैं और अभिनय व फिल्म निर्माण के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं। यह घटना रात लगभग 9:31 बजे की है। उस समय वह अंधेरी पश्चिम में फन रिपब्लिक मॉल के पास स्थित सिनेपोलिस थिएटर में थीं। इसी दौरान उनके मोबाइल नंबर पर बैंक के क्रेडिट कार्ड से एयरोमेक्सिको एयरलाइन पर 2,525 अमेरिकी डॉलर खर्च होने का अलर्ट मैसेज प्राप्त हुआ। अनजान और संदिग्ध विदेशी लेनदेन का मैसेज देखते ही अभिनेत्री ने बिना समय गंवाए बैंक के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क किया। बैंक अधिकारियों ने जांच के बाद बताया कि उनके क्रेडिट कार्ड से बिना अनुमति के चार अलग-अलग बड़े ट्रांजैक्शन किए गए हैं, जिसके बाद सुरक्षा के तौर पर तुरंत कार्ड ब्लॉक कर दिया गया। आशंका जताई जा रही है कि किसी डिजिटल मालवेयर या स्पाईवेयर के जरिए उनका फोन और कार्ड हैक किया गया।

गुड लक जेरी को 4 साल पूरे: जेरी के बिहारी लहजे को परफेक्ट बनाने के लिए जाह्नवी कपूर ने की थी खास तैयारी

गुड लक जेरी के चार साल पूरे होने पर आइए जानते हैं जाह्नवी कपूर की दमदार परफॉर्मेंस से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा। फिल्म में बिहार की एक साधारण युवती जेरी के किरदार को पूरी प्रामाणिकता के साथ निभाने के लिए जाह्नवी ने बिहारी लहजे पर काफी गहराई से मेहनत की थी।

उन्होंने अपनी बिहारी भाषा को परफेक्ट बनाने के लिए न सिर्फ लैंग्वेज एक्सपर्ट्स की मदद ली थी, बल्कि फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले कई वर्कशॉप्स में भी हिस्सा लिया था, जिससे वे अपने बिहारी उच्चारण और बोलने के अंदाज को निखार सकें। हालांकि यदि आपने यह फिल्म देखी होगी, तो उनकी यह मेहनत आपको फिल्म के हर संवाद में साफ़ दिखाई दी होगी। सिर्फ यही नहीं, जाह्नवी ने जेरी की मासूमियत, संघर्ष और जज्बे को भी बेहद सहजता के साथ पर्दे पर उतारा था, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया। यही वजह है कि 29 जुलाई 2022 को रिलीज़ हुई इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा था।

हालांकि गुड लक जेरी को रिलीज़ हुए आज चार साल हो चुके हैं, ऐसे में चार साल बाद भी इस फिल्म में निभाया गया जाह्नवी कपूर का जेरी किरदार सबसे यादगार और अलग किरदारों में गिनी जाती है। यह फिल्म एक बार फिर साबित करती है कि किसी चुनौतीपूर्ण भूमिका में पूरी तरह ढलने के लिए उन्होंने कितनी लगन और समर्पण के साथ तैयारी की थी। चार साल बाद भी गुड लक जेरी को लेकर होने वाली चर्चाओं में जाह्नवी कपूर के अभिनय और उनके किरदार की तैयारी का विशेष रूप से उल्लेख किया जाता है। फिल्म में उन्होंने एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली युवती के भावनात्मक संघर्ष, परिस्थितियों से जूझने की क्षमता और आत्मविश्वास को सहज अंदाज में प्रस्तुत किया, जिससे उनका प्रदर्शन दर्शकों के बीच लंबे समय तक यादगार बना रहा। कई समीक्षकों ने भी उस समय उनके अभिनय में आए परिपक्वता के बदलाव की सराहना की थी। इससे स्पष्ट होता है कि फिल्म ने रिलीज के वर्षों बाद भी दर्शकों के बीच अपनी एक अलग पहचान बनाए रखी है।

अक्षय कुमार की बेटी का बदला अवतार, घुंघराले बाल और किलर लुक में दिखीं नितारा

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार और उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना मंगलवार को अपनी बेटी नितारा के साथ लंदन में पारिवारिक छुट्टियां बिताकर मुंबई वापस लौटे। एयरपोर्ट पर स्पॉट होने के ठीक अगले ही दिन बुधवार को नितारा मुंबई की सड़कों पर एक बिल्कुल नए अवतार में नजर आईं। लंबे समय से लाइमलाइट और मीडिया से दूर रहने वाली नितारा का यह बदला हुआ लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सामने आए नए वीडियो में नितारा अपने कर्ली बालों के नए हेयरस्टाइल में बेहद प्यारी लग रही हैं। हालांकि अचानक सामने आए पपाराजी और कैमरों को देखकर वह काफी असहज नजर आईं। कैमरों की चमक से बचने के लिए उन्होंने अपने बालों से चेहरे को ढंकने का प्रयास किया।

'गेम ऑफ थ्रोन्स' वाले रावण से राजसी लंकापति तक, जानिए 'आदिपुरुष' से कितनी अलग है रणबीर-यश की 'रामायण'

नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर जारी होते ही इंटरनेट पर तहलका मच गया है। इस भव्य ट्रेलर के सामने आते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर 2023 में आई ओम राउत की फिल्म 'आदिपुरुष' ट्रेंड करने लगी। दोनों फिल्में भारत के सबसे पवित्र और पूज्य महाकाव्य पर आधारित हैं, लेकिन ट्रेलर के धरातल पर दोनों की प्रस्तुति, दृष्टिकोण और भावना में जमीन-आसमान का अंतर साफ झलक रहा है। जहां 'आदिपुरुष' को अपने बचकाने विजुअल इफेक्ट्स और विवादित चरित्र-चित्रण के कारण तीखी आलोचना झेलनी पड़ी थी, वहीं 'रामायण' भारतीय जनमानस की भावनाओं और आस्था का सम्मान करती नजर आ रही है। दोनों फिल्मों के ट्रेलरों में सबसे बड़ा और मौलिक अंतर भगवान श्रीराम के चित्रण में है। 'आदिपुरुष' में प्रभास (राघव) को मुख्य रूप से एक उग्र और आक्रामक योद्धा के रूप में पेश किया गया था, जहां उनका चरित्र क्रोध, युद्ध घोष और अहंकार की छाती चीरने जैसे तीखे संवादों से प्रेरित दिखता था। वहां ध्यान केवल एक्शन पर केंद्रित था। इसके विपरीत, 'रामायणम्' में रणबीर कपूर का चित्रण पारंपरिक 'मर्यादा पुरुषोत्तम' की छवि के बेहद करीब है। वनवास और युद्ध की परिस्थितियों के बीच भी उनके संवाद, 'यदि मेरी प्रजा की समृद्धि का मूल्य मेरा जीवन है, तो मैं सहर्ष दे दूंगा', उनके त्याग, करुणा और सौम्यता को दर्शाते हैं। फिल्म का रुख श्रीराम को महज एक एक्शन हीरो बनाने के बजाय एक धर्मपरायण, मर्यादित और त्यागी नायक के रूप में स्थापित करता है, जो पौराणिक मूल्यों के अनुकूल है। 'आदिपुरुष' में सैफ अली खान (लंकेश) का लुक सबसे ज्यादा विवादों में रहा था।

बज-कट हेयरस्टाइल, नीली आंखें और चमगादड़ों की सवारी करने वाले उस पात्र को दर्शकों ने रावण कम और किसी पश्चिमी फैंटेसी शो 'गेम ऑफ थ्रोन्स' या 'वाइकिंग्स' का आधुनिक विलेन ज्यादा माना था। दूसरी तरफ 'रामायण' में यश (रावण) का लुक पौराणिक भव्यता और राजसी वैभव से परिपूर्ण है। भारी स्वर्णिम कवच, पारंपरिक वेशभूषा और उनकी प्रभावशाली उपस्थिति लंकापति के भय और शक्ति को प्रामाणिक रूप से दर्शाती है।

ट्रेलर में श्रीराम का यह कथन, 'यदि रावण तीनों लोकों का स्वामी है तो तीनों लोक उसका अंत भी देखेंगे', रावण के चरित्र को बिना पौराणिक जड़ों से भटकाए और अधिक शक्तिशाली व गंभीर बनाता है।

सोशल मीडिया पर यश का यह रूप ट्रेलर का सबसे बड़ा आकर्षण बनकर उभरा है। 'आदिपुरुष' का सबसे कमजोर पहलू उसका अति-आधुनिक और कृत्रिम वीएफएक्स था, जिसने पूरी फिल्म को एक वीडियो गेम जैसा रूप दे दिया था। 'रामायण' के ट्रेलर में तकनीक और यथार्थवाद का बेहतर संतुलन दिखता है। अयोध्या, दंडकारण्य के जंगल और युद्धक्षेत्र के दृश्य काफी जीवंत और विस्तृत नजर आते हैं। केवल डिजिटल बैकग्राउंड पर निर्भर रहने के बजाय वास्तविक सेट्स और आधुनिक प्रभाव का संतुलित मिश्रण दिखाई देता है। संगीत के मामले में भी दोनों का नजरिया अलग है।

'लॉक अप 2' में नेहल ने बढ़ाया आकांक्षा चमोला का हौसला, बोलीं-अपनी असली पर्सनालिटी दिखाओ

पूर्व बिग बॉस 19 की कंटेस्टेंट और मॉडल नेहल चुडासमा टीवी की दुनिया का जाना-पहचाना नाम हैं। बिग बॉस के घर में भी उन्होंने कई बार गलत समझे जाने और अकेले पड़ जाने का दर्द झेला था। शायद इसी वजह से जब वो 'लॉक अप 2' में आकांक्षा चमोला को सपोर्ट करने विजिटर बनकर पहुंचीं, तो उन्होंने सबसे पहले आकांक्षा की उसी उलझन को पकड़ा जो पिछले कई दिनों से दर्शकों को भी खटक रही थी। 'लॉक अप 2' में आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से काफी शांत नजर आ रही थीं। शो में एंट्री के समय जितनी एनर्जी और कॉन्फिडेंस उनमें था, धीरे-धीरे वो गायब होता चला गया। दर्शकों को लग रहा था कि आकांक्षा गेम नहीं खेल रही हैं, बस कोने में बैठकर सब सह रही हैं। इसी बीच नेहल की एंट्री हुई और उन्होंने आते ही आकांक्षा से बातें की। नेहल ने आकांक्षा से कहा कि उन्होंने गौरव खन्ना की सलाह को गलत तरीके से ले लिया है। उन्होंने कहा, ''मुझे पता है गौरव अच्छी नीयत से आया था, लेकिन मुझे लगता है आपने उसकी बातों के सिर्फ गलत हिस्से पकड़े और खुद को समेट लिया। आपको गलत समझा गया है। मैं खुद रियलिटी शो में कई महीनों तक गलत समझी गई थी, इसलिए ये फीलिंग मैं जानती हूं कि जब पूरी दुनिया आपको गलत समझे तो कैसा लगता है।'' नेहल ने आकांक्षा से कहा, ''अब आपको इस खेल से बाहर निकलना होगा और अपनी असली पर्सनालिटी दिखानी होगी। इस समय 'लॉक अप 2' जितने लोग देख रहे हैं, उसकी बड़ी वजह आकांक्षा के सीक्रेट्स हैं।''

जुलाई के पहले हफ्ते में आकांक्षा ने बताया था कि शादी से पहले वह बाइसेक्सुअल थीं। उनका कुछ लड़कियों के साथ रिलेशन रहा है, हालांकि उन्होंने साफ किया था कि वो रिलेशन में बहुत ज्यादा इंटीमेट नहीं थीं। आकांक्षा ने यह भी कहा था कि उनके लिए महिलाएं सेफ स्पेस हैं। उन्हें लगता है कि दुनिया मर्दों की है, इसलिए लड़कियां बचपन से ही अपनी मां और बहनों के करीब होती हैं और वहीं उन्हें सबसे ज्यादा कम्फर्ट मिलता है। शो के लॉन्च पर आकांक्षा ने खुलासा किया था कि वो और टीवी एक्टर गौरव खन्ना पिछले लगभग एक साल से अलग रह रहे हैं और उनका डिवोर्स होने वाला है। इन दोनों के खुलासों के बाद आकांक्षा सोशल मीडिया और शो दोनों जगह चर्चा का विषय बन गई थीं।

आकांक्षा का हौसला बढ़ाते हुए नेहल ने कहा, ''सिर्फ सीक्रेट बताने से कुछ नहीं होगा। अगर आप खुद को बदल लेंगी और सबको खुश करने लगेंगी तो लोग आपको सीरियसली नहीं लेंगे।''

नेहल की इन बातों के बाद सोशल मीडिया पर बहस देखने को मिली। कई दर्शकों ने पोस्ट पर लिखा कि नेहल ने बिल्कुल सही कहा। रियलिटी शो में टिकने के लिए मजबूत बनना पड़ता है। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि आकांक्षा शायद अभी उन खुलासों के सदमे से बाहर नहीं आई हैं, इसलिए वो चुप हैं। ने रियलिटी शोज़ में प्रतिभागियों के व्यवहार, रणनीति और व्यक्तिगत खुलासों को लेकर दर्शकों की राय लगातार बदलती रहती है। ऐसे कार्यक्रमों में किसी एक घटना या बातचीत के बाद प्रतियोगियों की लोकप्रियता और उनके प्रति लोगों का नजरिया भी तेजी से बदल सकता है। ऐसे में प्रतिभागियों के लिए अपनी छवि, आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण माना जाता है। हल और आकांक्षा के बीच हुई यह बा त चीत शो के उन अहम क्षणों में शामिल हो गई, जहां प्रतियोगियों के खेल से अधिक उनकी मानसिक स्थिति और आत्मविश्वास पर चर्चा होने लगी। दर्शकों का एक वर्ग इसे केवल गेम से जुड़ी सलाह नहीं, बल्कि एक ऐसे प्रतिभागी का अनुभव मान रहा है जिसने स्वयं भी रि य लि टी शो में सलाह को कई दर्शक उनके व्यक्तिगत अनुभव से उपजा वास्तविक मार्गदर्शन मान रहे हैं, जबकि कुछ का मानना है कि हर प्रतियोगी का खेल और परिस्थितियां अलग होती हैं, इसलिए किसी एक रणनीति को सभी पर लागू नहीं किया जा सकता।

आलोचना और गलतफहमियों का सामना किया है। यही कारण है कि इस बातचीत को सोशल मीडिया पर व्यापक प्रतिक्रिया मिली। आकांक्षा चमोला को लेकर अब दर्शकों के बीच यह उत्सुकता बढ़ गई है कि क्या वह आने वाले एपिसोड में अधिक सक्रिय अंदाज में नजर आएंगी या फिर अब तक अपनाई गई अपनी शांत रणनीति पर ही कायम रहेंगी। वहीं नेहल चुडासमा की

रणबीर-साई और यश ही नहीं, 'रामायण' ट्रेलर में राजा दशरथ से शूर्पणखा तक हर किरदार ने छोड़ी छाप

'रामायण' का ट्रेलर सोशल मीडिया पर टॉप ट्रेंड बन गया है और इसकी खूब चर्चा हो रही है। गुरुवार, 30 जुलाई 2026 की सुबह 4:15 रिलीज हुए इस ट्रेलर को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है, जहां कुछ लोग फिल्म के VFX की तारीफ कर रहे हैं तो वहीं कुछ लोग इसकी कास्ट और उनकी परफॉर्मेंस की भी शानदार बता रहे हैं। नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म हिंदू पौराणिक महाकाव्य पर आधारित है। इसमें रणबीर कपूर राम के रोल में, साई पल्लवी सीता के रोल में और यश रावण के रोल में नजर आएंगे। वहीं 'रामायण' के ट्रेलर में राजा दशरथ से लेकर शूर्पणखा तक कई अहम किरदारों का भी दमदार लुक देखने को मिला। 'रामायण' के ट्रेलर में रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में राक्षसों से लड़ते और सबकी रक्षा करते हुए दिखाई देते हैं। साथ ही उनके बड़े होने से लेकर सीता-लक्ष्मण संग वनवास जाने तक का सफर दिखाया है। साई पल्लवी और रवि दुबे द्वारा निभाए गए सीता और लक्ष्मण के किरदार भी राम के साथ वनवास पर जाते हैं। यश ने रावण के किरदार में दर्शकों का दिल जीत लिया है। रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश के अलावा कई किरदारों के लुक से भी पर्दा हट चुका है। रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर 'रामायण' ट्रेलर से राजा दशरथ का लुक सामने आ चुका है, जो लोगों को बहुत पसंद आ रहा है।

मेरा सपना सिर्फ स्क्रीन पर दिखना नहीं, बल्कि ऐसे किरदार निभाना है जो हमेशा याद रखे जाएं : बरखा सिंह

बरखा सिंह ने अपने करियर की शुरुआत हल्के-फुल्के रोमांटिक और कमिंग-ऑफ-एज किरदारों से की थी, लेकिन पिछले तीन सालों में उन्होंने अपनी अभिनय यात्रा को एक नया आयाम दिया है। क्रिमिनल जस्टिस और अब टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी जैसे प्रोजेक्ट्स में दमदार और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर उन्होंने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में साबित किया है।

बरखा का मानना है कि वह ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं जो सिर्फ कहानी का हिस्सा न हों, बल्कि दर्शकों पर गहरी छाप भी छोड़ें।

टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में वह पहली बार एक भारतीय राजस्व सेवा (IRS) अधिकारी के दमदार किरदार में नजर आएंगी। अपने बदलते करियर चुनावों पर बात करते हुए बरखा ने कहा कि टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में IRS अधिकारी का किरदार निभाना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा और इससे उन्हें यह और भी स्पष्ट हो गया कि आगे वह किस तरह के किरदार करना चाहती हैं।

बरखा सिंह ने कहा, मैं टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में IRS अधिकारी का किरदार निभाने को लेकर बेहद उत्साहित हूं।

मेरी कोशिश हमेशा ऐसे किरदार निभाने की रहती है जो कहानी में सिर्फ मौजूद न हों, बल्कि उसे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएं। मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं जिनकी अपनी मजबूत आवाज़ हो, जो आज के दौर की जटिलताओं को दिखाएं और दर्शकों को कुछ सोचने पर मजबूर करें।

अपनी विशलिस्ट के फिल्ममेकर्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अगर मेरी विशलिस्ट की बात करूं तो लापता लेडीज़ के बाद मैं किरण राव के साथ काम करना चाहूंगी।

इसके अलावा राख जैसी शानदार स्टोरीटेलिंग के लिए प्रोसित रॉय और पाताल लोक में बेहतरीन काम करने वाले अविनाश अरुण के साथ काम करना भी मेरा सपना है।

इन तीनों की कहानी कहने की शैली बेहद अलग और प्रेरणादायक है। बरखा सिंह जल्द ही टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में एक बिल्कुल नए और दमदार अंदाज़ में IRS अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

सार समाचार

रूस का यूक्रेन पर बड़ा मिसाइल हमला, जेलेंस्की के होमटाउन क्रिवी रीह में छह की मौत

रूस ने गुरुवार तड़के यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और हवाई हमले किए, जिनमें 13 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की गई। इनमें से छह राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रीह क्षेत्र के निवासी हैं। मृतकों में पांच और 12 वर्ष की दो बच्चियां भी शामिल हैं। राजधानी कीव में भी एक व्यक्ति के मारे जाने की पुष्टि की गई। हमलों से कुछ घंटे पहले ही यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने देशव्यापी बड़े हमले की चेतावनी दी थी। रॉयटर्स के मुताबिक राष्ट्रपति जेलेंस्की के गृहनगर 'क्रिवी रीह' सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सांद्र विलकुल ने बताया कि वोरोनेझ क्षेत्र से दागी गई इस्कंदर-एम बैलिस्टिक मिसाइल ने शहर के बाहरी इलाके में एक निजी मकान को सीधे निशाना बनाया। इस हमले में एक ही परिवार के चार वयस्कों के साथ ही पांच और 12 वर्ष की दो बच्चियों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। कीव सैन्य प्रशासन ने बताया कि राजधानी में एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है। कीव के मेयर विताली क्लिस्चको ने कहा कि शहर के कई जिलों में आग लग गई। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि बैलिस्टिक मिसाइल हमले के खतरे को देखते हुए वे सुरक्षित शरणस्थलों में रहें। पश्चिमी यूक्रेन के शहर ल्वीव में भी रूसी हवाई हमलों से कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा। मेयर आंद्री सादोवी ने प्रारंभिक जानकारी के आधार पर लोगों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। हमलों से कुछ घंटे पहले राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा था कि रूस कई दिनों से बड़े हमले की तैयारी कर रहा है और रात में व्यापक हमले की आशंका है। उन्होंने सभी क्षेत्रों के नागरिकों से एयर-रेड अलर्ट पर ध्यान देने और सुरक्षित रहने का आग्रह किया।

ईरान को चीनी हथियार आपूर्ति की रिपोर्ट पर ट्रंप बोले, 'ऐसा हुआ तो मुझे निराशा होगी'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चीन की ओर से कथित हथियार आपूर्ति की खबरों पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने स्पष्ट तौर पर उनसे (ट्रंप) कहा था कि चीन इस तरह की किसी भी सैन्य आपूर्ति में शामिल नहीं होगा। ट्रंप की यह टिप्पणी उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आई है, जिनमें दावा किया गया कि चीन जल्द ही ईरान को 400 चीनी निर्मित मैनपैड्स एयर डिफेंस मिसाइल लॉन्चर उपलब्ध करा सकता है, ये मिसाइल कंधे पर रख कर दागे जा सकते हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिका के साथ जारी संघर्ष के बीच ईरान अपनी हवाई सुरक्षा मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

इजरायली पीएम नेतन्याहू ने हेगसेथ से की मुलाकात, 16 बिलियन डॉलर के नए रक्षा फंड पर हुई चर्चा

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ अलग-अलग बातचीत की। इसके साथ ही इजरायली पीएम ने अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ब्लेयर हाउस में अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ऑफिस से जारी फुटेज में दोनों लोगों को हाथ मिलाते और बात करते हुए दिखाया गया है, उनके साथ कई मिलिट्री और सिविलियन सहयोगी भी हैं। अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कर लिखा, "मुझे इजरायल के प्रधानमंत्री, बेंजामिन नेतन्याहू से मिलकर खुशी हुई। मेरी टीम के सदस्य, जिनमें युद्ध के अवर सचिव एल्ब्रिज कोल्बी और पब्लिक अफेयर्स के लिए युद्ध सचिव के सहायक सीन पार्नेल शामिल हैं, हमारी रक्षा साझेदारी की मजबूती और हमारे साझा सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को फिर से सुनिश्चित करने के लिए मेरे साथ शामिल हुए।" सी इसके अलावा, इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्रंप और नेतन्याहू की साथ में तस्वीरें जारी कीं। एक इजरायली अधिकारी ने बैठक को 'बहुत सकारात्मक' बताया। नियर अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू ने ट्रंप के टॉप अधिकारियों से लगभग 16 बिलियन डॉलर का एक नया संयुक्त अमेरिका-इजरायल फंड बनाने के बारे में भी बात की। इस फंड का इस्तेमाल नए हथियार प्रणाली के रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए किया जाएगा। हालांकि, ट्रंप इस बात से नाराज दिखे कि इजरायली नेता ने अपनी योजना के बारे में पहले ही सार्वजनिक रूप से बता दिया था।

"अफवाहों से बचें", PM बालेंद्र शाह की अपील, नेपाल में भड़की सांप्रदायिक हिंसा में तीन लोगों की मौत

भारत-नेपाल सीमा से सटे नेपाल के सुनसरी जिले में धार्मिक जुलूस के दौरान शुरू हुआ विवाद गुरुवार को सांप्रदायिक हिंसा में बदल गया। देखते ही देखते दो समुदायों के लोग आमने-सामने आ गए। कई जगह पथराव, आगजनी और तोड़फोड़ हुई। हालात बेकाबू होने पर पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल को हस्तक्षेप करना पड़ा। हिंसा में अबतक तीन व्यक्तियों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। मामले की आंच अब संसद तक पहुंच गई है। राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी प्रतिनिधि सभा सदस्य आशिका तामाङ ने इस घटना की बात संसद में उठाई। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने लोगों से अपील की है, अफवाहों से बचें, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने गुरुवार को लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की। सीमावर्ती जिलों में सांप्रदायिक हिंसा में तीन लोगों की मौत के बाद अधिकारियों को नए इलाकों में भी कर्फ्यू लगाना पड़ा। देश के नाम अपने संबोधन में शाह ने कहा कि सरकार हालिया हिंसा की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करेगी और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराएगी। प्रधानमंत्री ने मृतक के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धार्मिक जुलूस के मार्ग और धार्मिक प्रतीकों को लेकर शुरू हुई कहासुनी कुछ ही मिनटों में हिंसक झड़प में बदल गई। उग्र भीड़ ने दुकानों और वाहनों को निशाना बनाया। कई स्थानों पर आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। हालात काबू से बाहर होते देख पुलिस ने पहले लाठीचार्ज किया, फिर आंसू गैस के गोले छोड़े और अंततः भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग करना पड़ा।

हिंसा के बाद पूरा सुनसरी जिला हाई अलर्ट पर है। नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की अतिरिक्त कंपनियां तैनात की गई हैं। प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने, सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों से बचने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।

पाकिस्तान की कोयला खदान में धमाका, 32 की मौत, 10 लोगों के मलबे में फंसने की आशंका

दक्षिण-पश्चिम पाकिस्तान में एक कोयला खदान के अंदर धमाके में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा 10 अन्य जमीन के नीचे फंस गए। अधिकारियों का कहना है कि वे जानलेवा हालात में फंसे हैं और बचावकर्मी उन तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं सरकारी खदान निरीक्षक गनी बलोच ने बताया कि गुरुवार को हुआ यह धमाका संभवतः मीथेन गैस जमा होने के कारण हुआ और यह बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा के बाहरी इलाके में हुआ। अधिकारियों और प्रांतीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने एक बयान में कहा कि धमाके के कुछ घंटों बाद 7 लोगों के शव बरामद किए गए और बाद में आपातकालीन बचाव दलों को 25 और शव मिले। बयान में कहा गया है कि खोज और बचाव अभियान जारी है और बचाव दल बाकी फंसे हुए खनिकों का पता लगाने और उन्हें बाहर निकालने के लिए काम कर रहे हैं। खदान निरीक्षक गनी बलोच ने कहा कि बचाव अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी फंसे हुए लोग मिल नहीं जाते। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों को आशंका है कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। गनी बलोच ने कहा, "मीथेन गैस धमाकों के बाद किसी के जीवित मिलने की संभावना कम हो जाती है क्योंकि ऑक्सीजन का स्तर शून्य हो जाता है, और बचावकर्मी भी खदान के अंदर सावधानी से आगे बढ़ रहे हैं।" गनी बलोच ने बताया कि अधिकारी शवों को दफ़नाने के लिए उनके परिवारों को सौंप रहे थे, जबकि जो लोग अभी भी अंदर फंसे हुए थे, उनके रिश्तेदार बेचैनी से खबर का इंतजार कर रहे थे। बलूचिस्तान के खान और खनिज मंत्री शोएब नोशेरवानी ने कहा कि बचाव दल बहुत मुश्किल हालात में काम कर रहे थे।

सलमान रुश्दी पर हमला मामले में हादी मतर दोषी करार, फॉलो करता था हिज्बुल्लाह की विचारधारा

अमेरिका के एक कोर्ट ने जाने-माने लेखक सलमान रुश्दी पर साल 2022 में न्यूयॉर्क में हुए चाकू से हमले के केस में एक अमेरिकी नागरिक को संघीय आतंकवाद से जुड़े आरोपों में दोषी ठहरा दिया। न्यूयॉर्क के बफेलो में फेडरल जजों के पैनल ने बीते बुधवार को न्यू जर्सी के फेयरव्यू के रहने वाले 28 साल के हादी मतर को घोषित विदेशी आतंकवादी संगठन हिज्बुल्लाह को मदद देने की कोशिश करने, राष्ट्रीय सीमाओं से परे आतंकवादी घटनाओं में शामिल होने व आतंकवादियों की सहायता करने के आरोपों में दोषी करार दिया है।

न्यूयॉर्क के 'वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट' के लिए अमेरिकी अटॉर्नी माइकल डीजियाकोमो बोले, ''अमेरिका में जन्म लेने और वहीं पालन-पोषण के बावजूद हादी मतर ने ईरान के उन लीडर्स की कट्टरपंथी और आतंकवादी विचारधारा को अपनाया जो हिंसा को बढ़ावा देते हैं और सलमान रुश्दी की हत्या की मांग करते रहते हैं।''

डीजियाकोमो ने आगे बताया कि हादी मतर ने सलमान रुश्दी की हत्या की प्लानिंग कई महीनों तक की। हादी ने इसकी तैयारी भी की।

हादी इस हमले को अंजाम देकर उन तथाकथित 'शहीदों' के नक्शेकदम पर चलने की इच्छा रखता था जिन्हें वह अपना आदर्श मानता था। अमेरिकी अटॉर्नी ने कहा, ''फिर भी हादी मतर का आतंकी हमला नाकाम हो गया और सलमान रुश्दी बच गए।'' जान लें कि हादी मतर ने 12 अगस्त 2022 को सलमान रुश्दी की हत्या का प्रयास किया था।

हादी ने 1988 में पब्लिश हुए सलमान रुश्दी के नॉवेल 'The Satanic Verses' की वजह से उनकी हत्या का आह्वान करने वाले फतवे को अंजाम देने के मकसद से यह हमला किया था।

वहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक अटॉर्नी जनरल जॉन ए. आइजनबर्ग ने बताया कि हादी मतर ने एक साल से ज्यादा वक्त तक हिज्बुल्लाह की हिंसक विचारधारा को फॉलो किया। हादी ने ईरान के अयातुल्लाओं की तरफ से सलमान रुश्दी की हत्या के लिए जारी किए गए फतवे को अमल में लाने की तैयारी की।

'कोई पाकिस्तानी कश्मीर नहीं है,' न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्टिंग को लेकर भड़का भारतीय दूतावास

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में हालात बेकाबू हो चुके हैं। पाकिस्तानी अधिकारी की तरफ से प्रदर्शनकारियों पर हिंसात्मक कार्रवाई की जा रही है। इस बीच अमेरिकी मीडिया न्यूयॉर्क टाइम्स ने पीओके पर जिस तरह की रिपोर्टिंग की है, उसे लेकर अमेरिका में भारतीय दूतावास ने जमकर लताड़ लगाई है। दरअसल, न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी खबर में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को पाकिस्तानी कश्मीर लिखा। अमेरिका में स्थित भारतीय दूतावास ने न्यूयॉर्क टाइम्स की इस गलती की कड़ी निंदा की।

भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर न्यूयॉर्क टाइम्स के उस आर्टिकल को साझा कर लिखा, "न्यूयॉर्क टाइम्स की गुमराह करने वाली और गलत हेडलाइन। कोई पाकिस्तानी कश्मीर नहीं है, सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश भारत का एक अभिन्न और अटूट हिस्सा रहे हैं, अब भी हैं और हमेशा रहेंगे। पाकिस्तान ने इन इलाकों के कुछ हिस्सों पर गैर-कानूनी तरीके से कब्जा कर लिया है और अब कब्जे वाले लोगों के खिलाफ हिंसा का इस्तेमाल कर रहा है।"

वहीं, न्यूयॉर्क टाइम्स के इस आर्टिकल की हेडलाइन थी, 'स्थानीय चुनाव के लिए वोटिंग शुरू होते ही पाकिस्तानी कश्मीर में झड़पें।' उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चुनाव हिंसा, चुनावी धांधली के आरोपों और लोगों को जबरन गायब करने की खबरों की वजह से प्रभावित हुए हैं। विरोध आंदोलन का नेतृत्व कर रही जॉइंट एक्शन अवामी कमेटी (जेएएसी) ने इलाके के लोगों से बार-बार अपील की है कि वे चुनाव के दौरान शांति।

जन्मदिन के जश्न के दौरान तीन मंजिला मकान ढहा, लाहौर में 3 भाइयों का पूरा परिवार मलबे में दफन; 11 की मौत

पाकिस्तान के लाहौर शहर में जन्मदिन के जश्न के दौरान तीन मंजिला मकान ढहने से एक ही परिवार के कम से कम 11 लोगों की मलबे में दबकर मौत हो गई। मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। लाहौर के घनी आबादी वाले निचले इलाके हरबंसपुरा में बुधवार देर रात जब यह हादसा हुआ, तब मकान में जन्मदिन का जश्न मनाया जा रहा था। माना जा रहा है कि हाल ही में हुई भारी मानसूनी बारिश के कारण यह इमारत कमजोर हो गई थी। लाहौर के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद अली एजाज के अनुसार, हरबंसपुरा स्थित इस तीन मंजिला मकान में तीन भाई अपनी पत्नियों और बच्चों के साथ रहते थे। उन्होंने बताया कि जन्मदिन के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भाइयों की बहन और उसके बच्चे भी आए हुए थे। इसी दौरान अचानक मकान ढह गया, जिससे लगभग 20 लोग मलबे के नीचे दब गए। हादसे के बाद महिलाओं और बच्चों समेत 11 लोगों के शव मलबे से निकाले जा चुके हैं, जबकि 6 लोगों को जिंदा बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पंजाब आपातकालीन सेवा 'रेस्क्यू 1122' के अनुसार, मृतकों में तीन महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि हाल में हुई भारी मानसूनी बारिश की वजह से इमारत का ढांचा कमजोर हो गया था, जिसके कारण यह अचानक ढह गई। एक अन्य हादसे में लाहौर से लगभग 150 किलोमीटर दूर फैसलाबाद के झांग रोड पर बुधवार रात बारिश के दौरान मकान की छत गिरने से 2 बच्चों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। सरकारी समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान' ने गुरुवार को 'रेस्क्यू-1122' के हवाले से बताया कि झांग रोड स्थित तालियानवाला में इस जर्जर मकान के भीतर परिवार के 5 सदस्य मौजूद थे, तभी अचानक छत ढह गई। मलबे के नीचे दबने से दो बच्चों- एक छह महीने के शिशु और एक पांच साल के बच्चे-की जान चली गई। वहीं, आपको बता दें कि पाकिस्तानी सेना ने PoK में सड़कों पर जमकर कत्लेआम मचाया है। अब तक 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। दोनों घटनाओं के बाद स्थानीय प्रशासन और राहत एजेंसियों ने प्रभावित क्षेत्रों में बचाव एवं राहत कार्य तेज कर दिए हैं। अधिकारियों ने आसपास की क्षतिग्रस्त और जर्जर इमारतों का भी निरीक्षण शुरू कर दिया है, ताकि संभावित खतरे वाली इमारतों की पहचान कर समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों को भी निर्देश दिए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार और अत्यधिक वर्षा के दौरान पुरानी तथा कमजोर इमारतों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे उनके ढहने का जोखिम बढ़ जाता है।

चीन पर पाकिस्तान के जरिए ईरान को 400 रॉकेट लॉन्चर भेजने का आरोप? डोनाल्ड ट्रंप बोले- 'ये हैरानी की बात होगी'

मिडिल ईस्ट में एक बार फिर से जंग जारी है। ईरान और अमेरिका लगातार एक दूसरे के ठिकानों पर हमले किए जा रहे हैं। हालांकि, इस बीच एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई है जिससे के दुनिया हैरान हो गई है। दावा किया जा रहा है कि चीन इस जंग में ईरान की मदद कर रहा है। जानकारी के अनुसार, चीन ने पाकिस्तान के रास्ते ईरान को 400 रॉकेट लॉन्चर की सप्लाई की है। इस दावे के सामने आने के बाद मिडिल ईस्ट में जंग के और ज्यादा बढ़ने के आसार जताए जा रहे हैं। वहीं, अब इन रिपोर्ट्स पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान भी सामने आ गया है। उन्होंने कहा है कि ये काफी हैरानी की बात होगी। पाकिस्तान के जरिए चीन से ईरान को 400 रॉकेट लॉन्चर मिलने की खबरों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में बयान दिया। ट्रंप ने कहा- "यह हैरानी की बात होगी। ऐसी चीजें होती रहती हैं। उन्होंने (चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग) मुझसे बहुत मजबूती से कहा था कि वे इसमें शामिल नहीं होंगे। लेकिन उन्हें पता है कि मुझे बहुत निराशा होगी।" इससे पहले ट्रंप ने ईरान पर भीषण हमले की धमकी दी है। जानकारी के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर जोरदार जवाबी कार्रवाई की कसम खाई और कहा- अमेरिका उन्हें "बुरी तरह से कुचल देगा।" ट्रंप ने आगे ये भी कहा कि अमेरिका ईरान की बुरी तरह से धुलाई करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी AI की रेस के मुद्दे को लेकर भी चीन पर निशाना साधा। ट्रंप ने कहा- "AI के मामले में हम चीन से काफी आगे हैं। चीन में इस पर लगभग कोई कंट्रोल नहीं है। वहां काम बिना किसी रोक-टोक के हो रहा है।"

यूके की संसद में गूंजी पीओके हिंसा के खिलाफ आवाज, स्वतंत्र और पारदर्शी जांच की उठी मांग

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के तनावपूर्ण और बिगड़े हालात पर कई ब्रिटिश सांसदों ने गहरी चिंता जताई है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की बर्बर कार्रवाई में 40 से अधिक नागरिक मारे गए और दर्जनों गंभीर रूप से घायल हुए हैं। ब्रिटेन की लेबर पार्टी के सांसद लियाम बायर्न ने कहा कि पीओके में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर " गोली" चलाने की रिपोर्ट्स "चिंता का विषय" हैं। बायर्न ने कब्जे वाले क्षेत्र में संचार सुविधाओं पर बैन और मानवाधिकार उल्लंघनों को "पूरी तरह अस्वीकार्य" बताया। उन्होंने कहा, " यूके संसद के क्रॉस-पार्टी समूह 'ऑल पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप ऑन कश्मीर' ने दो मांगें रखी हैं। पहली, लंदन में पाकिस्तान के हाई कमीशन से तत्काल बातचीत की जाए और कहा जाए कि इसे रोका जाए।

दूसरी, हम अपने विदेश मंत्रालय के मंत्रियों से भी मिलना चाहते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे पाकिस्तान सरकार के सामने पूरी शिद्दत से अपनी बात रख रहे हैं। यहां जरूरत इस बात की है कि कई साल पहले संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों को लेकर जो वादे किए गए थे उनका सम्मान किया जाए। लेकिन फिलहाल तुरंत हिंसा रुकवानी हमारी प्राथमिकता में है।" ब्रिटिश सांसद ने कहा, "हमें तत्काल तनाव कम करने की जरूरत है।

इस समय सोच समझकर कदम उठाने की जरूरत है। और सबसे जरूरी, अब कश्मीरियों के मानवाधिकारों का सम्मान होना चाहिए।" अधिकारियों से क्षेत्र में मीडिया और स्वतंत्र पर्यवेक्षकों को अनुमति देने का भी आग्रह किया।

खेल समाचार

लवप्रीत सिंह ने सिल्वर मेडल किया अपने नाम, कॉमनवेल्थ गेम्स में स्नैच में रिकॉर्ड वजन उठाया

स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स के 8वें दिन भारत के 28 साल के वेटलिफ्टर खिलाड़ी लवप्रीत सिंह 110 प्लस किग्रा कैटेगिरी में गोल्ड मेडल जीतने से काफी करीब से चूक गए लेकिन वह सिल्वर मेडल जीतने में कामयाब रहे। लवप्रीत सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स में स्नैच में रिकॉर्ड वजन उठाया जिसमें वह 176 किग्रा वजन उठाने में कामयाब रहे तो वहीं क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 212 किग्रा वजन उठाया और इस तरह से वह इस इवेंट में कुल 388 किग्रा का वजन उठाने में कामयाब रहे। वहीं इस इवेंट में न्यूजीलैंड के डेविड एंड्रयू लिटी ने कुल 389 किग्रा वजन उठाने के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं भारत के पदकों की संख्या अब कुल 17 पहुंच गई है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 110 प्लस किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में लवप्रीत सिंह ने काफी संतुलित प्रदर्शन दिखाया जिसमें अधिकतर समय तक उन्होंने बाकी वेटलिफ्टिर से अपनी बढ़त काफी बेहतर कर रखी थी। एक समय ऐसा लग रहा था कि लवप्रीत गोल्ड मेडल अपने नाम करने में कामयाब रहेंगे जिसमें वह न्यूजीलैंड के डेविड एंड्रयू लिटी से करीब 15 किलोग्राम वजन की बढ़त बनाए हुए थे। लेकिन डेविड एंड्रयू लिटी ने अपने पेनल्टीमेट प्रयास में उन्होंने कुछ ऐसा कर दिखाया जिसे देख सभी हैरान रह गए जिसमें उन्होंने 223 किलोग्राम वजन उठाने के साथ लवप्रीत के 15 किग्रा वजन को जहां बराबर कर दिया तो वहीं एक किग्रा की बढ़त भी बना ली।

'आपका ऐतिहासिक प्रदर्शन पैरा एथलेटिक्स के लिए बड़ी उपलब्धि', राष्ट्रपति ने दी दिलीप-बासिल और श्रीशंकर को बधाई

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का सातवां दिन भारत के लिए शानदार रहा। बुधवार को मुरली श्रीशंकर ने पुरुषों की लंबी कूद में देश को सिल्वर मेडल दिलाया। वहीं, पैरा एथलीट की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में दिलीप महादु गावित ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि मोहम्मद बासिल ने सिल्वर पर कब्जा जमाया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इन तीनों ही खिलाड़ियों को मेडल जीतने पर बधाई दी है। राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "भारतीय पैरा एथलेटिक्स ने खेल में बेहतरीन प्रदर्शन का एक यादगार अध्याय लिखा है। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 100 मीटर टी47 इवेंट में गोल्ड मेडल जीतने पर दिलीप महादु गावित और सिल्वर मेडल जीतने पर मोहम्मद बेसिल मोरसिंगनाकाथी को हार्दिक बधाई। आपका ऐतिहासिक प्रदर्शन भारतीय पैरा एथलेटिक्स के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। आप अपने असाधारण पक्के इरादे और बेहतरीन प्रदर्शन से देश को प्रेरित करते रहें।" वहीं, राष्ट्रपति ने श्रीशंकर की प्रशंसा करते हुए लिखा, "ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों की लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल जीतने पर मुरली श्रीशंकर को बहुत-बहुत बधाई। लगातार कॉमनवेल्थ सिल्वर मेडल जीतना एक बड़ी कामयाबी है जिससे पूरे देश को आप पर गर्व है। आपको लगातार सफलता और आगे एक शानदार करियर की शुभकामनाएं।" खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी अपने 'एक्स' पर तीनों ही खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने लिखा, "भारत के लिए ऐतिहासिक डबल पोडियम।"

CWG 2026: मेडल टैली में एक स्थान ऊपर पहुंचा भारत, ऑस्ट्रेलिया टॉप पर बरकरार

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का सातवां दिन भारत के लिए शानदार रहा। देश की झोली में एक गोल्ड और दो सिल्वर मेडल आए। इन तीन मेडल के साथ ही भारत के कुल मेडलों की संख्या अब 15 हो गई है, जिसका फायदा भारत को मेडल टैली में भी मिला है। भारत ने अब तक कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 3 गोल्ड, 9 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। गेम्स के सातवें दिन 3 मेडल जीतने के बाद भारत को मेडल टैली में एक स्थान का फायदा पहुंचा है। भारत 9वें स्थान से अब आठवें नंबर पर आ गया है। मुरली श्रीशंकर ने पुरुषों की लंबी कूद में देश को सिल्वर मेडल दिलाया। उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में 8.09 की लंबी कूद के साथ सिल्वर मेडल जीता। श्रीशंकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भी सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। वहीं, पैरा एथलीट दिलीप महादु गावित ने 100 मीटर टी47 स्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। उन्होंने 100 मीटर की रेस को सिर्फ 10.71 सेकंड में पूरा किया, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। वहीं, इसी स्पर्धा में मोहम्मद बासिल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। उन्होंने रेस को पूरा करने के लिए 10.83 सेकंड का समय लिया। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की मेडल टैली में ऑस्ट्रेलिया का पहले स्थान पर दबदबा बरकरार है। ऑस्ट्रेलिया इस टूर्नामेंट में अब तक 47 गोल्ड, 21 सिल्वर और 35 ब्रॉन्ज मेडल जीत चुका है और उनके कुल मेडल की संख्या 103 हो चुकी है। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल एकमात्र ऐसा देश है, जिसने 100 मेडल के आंकड़े को पार किया है। कनाडा 14 गोल्ड, 11 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज के साथ दूसरे नंबर पर काबिज है। इंग्लैंड ने सातवें दिन के अंत तक कुल 56 मेडल जीते हैं, जिसमें 12 गोल्ड, 27 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इंग्लैंड मेडल टैली में तीसरे स्थान पर मौजूद है। मेजबान स्कॉटलैंड 23 मेडल के साथ चौथे नंबर पर बना हुआ है। स्कॉटलैंड की झोली में अब तक 9 गोल्ड, 7 सिल्वर और 7 ब्रॉन्ज आए हैं।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग इंग्लैंड के टेस्ट कोच बने, जो रूट होंगे कप्तान

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को इंग्लैंड टेस्ट टीम के नए हेड कोच के रूप में नियुक्त किया है। वहीं, जो रूट को टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया है। इंग्लैंड टेस्ट टीम के हेड कोच के रूप में स्टीफन फ्लेमिंग अपने पुराने साथी और न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम की जगह लेंगे। मैकुलम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ही इंग्लैंड को घरेलू सीरीज में 2-1 से मिली हार के बाद कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। फ्लेमिंग पाकिस्तान के खिलाफ आने वाली टेस्ट सीरीज के बाद अपना कार्यकाल शुरू करेंगे। पाकिस्तान सीरीज के दौरान मार्कस ट्रेस्कोथिक टीम के अंतरिम हेड कोच की भूमिका निभाएंगे। फ्लेमिंग इंग्लैंड के दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट दौरे के दौरान हेड कोच की भूमिका संभालेंगे।

फ्लेमिंग ने अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग नहीं की है, लेकिन लीग क्रिकेट में बतौर कोच उन्होंने बड़ी सफलता हासिल की है। आईपीएल में वह सीएसके को 5 खिताब जीतवा चुके हैं। उनकी कोचिंग में सीएसके ने 10 बार आईपीएल का फाइनल खेला। फ्लेमिंग दक्षिण अफ्रीका और यूएसए में भी सीएसके फ्रेंचाइजी से जुड़ी टीमों को कोचिंग दी है। इसके अलावा बीबीएल में मेलबर्न स्टार्स और द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव के भी कोच रह चुके हैं। आईपीएल 2026 की समाप्ति के कुछ समय बाद ही फ्लेमिंग से सीएसके और इस फ्रेंचाइजी से जुड़ी तमाम जिम्मेदारियों से खुद को अलग कर लिया था। ईसीबी की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में फ्लेमिंग ने कहा, "मैं टेस्ट कोच के तौर पर इंग्लैंड से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे मशहूर कोचिंग पोजीशन में से एक है। मुझे इस पर नियुक्त होने पर गर्व है।"

उन्होंने कहा, "टीम में और उसके आस-पास बहुत सारी युवा प्रतिभाएं हैं। हमारा मकसद उन्हें विश्व-स्तरीय क्रिकेटर के तौर पर अपनी क्षमता को प्रदर्शित करने पर मदद करना है।"

फ्लेमिंग ने रूट के साथ काम करने पर भी अपनी खुशी जाहिर की। रूट को उन्होंने 'पीढ़ी का टैलेंट' बताया, साथ ही हैरी ब्रूक को भी टीम के लिए एक जरूरी हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, "मैं खास तौर पर जो रूट के साथ कप्तान के तौर पर काम करने का इंतजार कर रहा हूं—एक पीढ़ी का टैलेंट जिसने पहले ही बहुत कुछ हासिल कर लिया है। उनसे अभी भी बहुत कुछ आना बाकी है। मैं उन्हें सपोर्ट करने के लिए उत्साहित हूं ताकि वह इस रोल का आनंद ले सकें और उसमें आगे बढ़ सकें, जो उनके पहले कार्यकाल से अलग है।" फ्लेमिंग ने कहा, "मैं हैरी ब्रूक के साथ काम करने के लिए भी उत्साहित हूं। सबसे अच्छे खिलाड़ी कभी भी तैयार नहीं होते हैं, हैरी को उनके असाधारण टैलेंट और उनके नेतृत्व को विकसित करने में मदद करना इस सफर का एक अहम हिस्सा होगा।" कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद रूट ने कहा, "इंग्लैंड को लीड करने का एक और मौका मिलने पर वह सम्मानित महसूस कर रहे हैं। टेस्ट कप्तानी एक मुश्किल लेकिन बहुत फायदेमंद काम है और पिछले महीने ब्रेंडन मैकुलम के साथ फिर से काम करने का थोड़ा सा अनुभव लेने के बाद, मैं खिलाड़ियों की इस अगली पीढ़ी को आगे ले जाने के लिए उत्साहित हूं।" उन्होंने आगे कहा, "स्टीफन के साथ ऐसा करने का मौका भी एक बहुत प्रेरित करने वाला है। उन्होंने लंबे समय में साबित किया है कि वह खेल की बहुत अच्छी जानकारी रखने वाले एक असाधारण लीडर हैं।"

बड़ी बहन से मिली प्रेरणा, डब्ल्यूटीटी कंटेंडर का खिताब जीत रचा इतिहास

श्रीजा अकुला की गिनती भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ियों में की जाती है। शुरुआती संघर्ष के बाद श्रीजा ने इस खेल में अपनी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर पहचान बनाई। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में शरथ कमल के साथ मिलकर मिश्रित युगल स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता। इसके साथ ही वह डब्ल्यूटीटी कंटेंडर स्तर पर एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। श्रीजा का जन्म 31 जुलाई, 1998 को हैदराबाद में हुआ। श्रीजा के पिता एक निजी बीमा कंपनी में प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। श्रीजा की बड़ी बहन रावली कॉलेज स्तर पर टेबल टेनिस खेलती थीं और उन्होंने ही श्रीजा को इस खेल से परिचित कराया। बड़ी बहन के साथ मिलकर उन्होंने टेबल टेनिस की बारीकियों को सीखा। इसके बाद उन्होंने सोमनाथ घोष की अकादमी में दाखिला लिया और टेबल टेनिस में करियर बनाने का फैसला किया। हालांकि, श्रीजा पढ़ाई में भी काफी अच्छी थीं। उन्होंने 12वीं कक्षा में 98.7 प्रतिशत अंक हासिल किए। साल 2019 में श्रीजा ने साउथ एशियाई खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए महिला युगल और टीम स्पर्धाओं में गोल्ड मेडल जीते। वहीं, अप्रैल 2022 में सीनियर नेशनल और अंतर-राज्यीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भी अपना जलवा बिखेरते हुए एकल और युगल दोनों खिताब अपने नाम किए। हालांकि, श्रीजा के करियर के लिहाज से साल 2022 सबसे महत्वपूर्ण साबित हुआ। इसी साल कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने दिग्गज खिलाड़ी शरथ कमल के साथ मिलकर मिश्रित युगल स्पर्धा में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इस प्रदर्शन ने श्रीजा को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। जनवरी 2024 में श्रीजा ने टेक्सास में खेली गई डब्ल्यूटीटी (विश्व टेबल टेनिस) फीडर कॉर्पस क्रिस्टी प्रतियोगिता में अपना पहला डब्ल्यूटीटी एकल जीता। इसी टूर्नामेंट में वह अर्चना कामथ संग मिलकर महिला डबल्स का टाइटल भी जीतने में सफल रहीं।

वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप: सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष टीम, महिला टीम को मिली हार

पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम ने लगातार दूसरी बार स्क्वैश जूनियर टीम चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने तीसरी वरीयता प्राप्त इंग्लैंड को कड़े मुकाबले में 2-1 से हराया। हालांकि, भारतीय महिला टीम को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में अब भारतीय पुरुष टीम की भिड़ंत संयुक्त राज्य अमेरिका से होगी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने 8वीं वरीयता प्राप्त जापान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। पिछले सीजन में टीम ने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। क्वार्टर फाइनल में भारतीय पुरुष टीम की शुरुआत शानदार रही। आर्यवीर दीवान ने रोनी हिकलिंग को 11-9, 12-10, 11-5 से हराते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, इसके बाद युशा नफीस को रोमांचक मुकाबले में इस्माइल खलील के खिलाफ 11-7, 8-11, 11-4, 13-11, 11-7 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, गुरवीर सिंह ने सीधे गेम में जॉर्ज ग्रिफिथ्स को 11-3, 11-8, 11-6 से हराकर भारत को सेमीफाइनल का टिकट दिलाया। हालांकि, भारतीय टीम अपनी इस बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी।

जैवलिन फाइनल में पहुंची भारत की 'तिकड़ी', नीरज के साथ रोहित और यशवीर से मेडल की आस

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा के फाइनल में भारत के तीन एथलीट्स नजर आएंगे। गुरुवार को मुश्किल हालात के बावजूद ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा, रोहित यादव और यशवीर सिंह ने क्वालीफाइंग राउंड ग्रुप-ए में शीर्ष-10 स्थान हासिल करते हुए 31 जुलाई को खेले जाने वाले मेडल इवेंट में जगह बनाई। तेज हवाओं ने क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान सटीक थ्रो को मुश्किल बना दिया था, लेकिन भारतीय तिकड़ी मेडल इवेंट में आगे बढ़ने वाले टॉप-12 एथलीट्स में अपनी जगह पक्की करने में सफल रही। नीरज 79.61 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि रोहित यादव 78.37 मीटर के साथ नौवां और यशवीर सिंह 78.36 मीटर के साथ 10वां स्थान हासिल किया। दूरी के बजाय क्वालिफिकेशन को प्राथमिकता देते हुए, तीनों भारतीयों ने शुरुआती राउंड को सुरक्षित रूप से पार किया और गेम्स के प्रमुख एथलेटिक्स इवेंट्स में से एक में भारत की मेडल की उम्मीदों को जिंदा रखा। ग्लासगो गेम्स में अपना पहला मुकाबला खेल रहे नीरज, तेज हवाओं के बावजूद शांत नजर आए। नीरज ने अपने दूसरे प्रयास में 79.61 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के बाद फाइनल में जगह पक्की होने पर अपने तीसरे और अंतिम प्रयास को न करने का फैसला किया। वहीं, रोहित यादव (78.37 मीटर) और यशवीर सिंह (78.36 मीटर) ने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन। दोनों के बीच सिर्फ एक सेंटीमीटर का अंतर था।

श्रीलंका के रुमेश पथिराज ने 82.84 मीटर के शानदार थ्रो के साथ क्वालिफिकेशन स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया और चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के अनुसार खुद को सबसे बेहतर ढंग से ढाला। ग्रेनाडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 81.29 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि साउथ अफ्रीका के डौव स्मिट 80.64 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

इंग्लैंड के बेन ईस्ट (80.38 मीटर) ने नीरज से आगे रहते हुए चौथा स्थान हासिल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के कैमरन मैकिन्टायर (78.91 मीटर), पाकिस्तान के अरशद नदीम (78.63 मीटर), बहामास के कीशॉन स्ट्रैचन (78.60 मीटर), त्रिनिदाद और टोबैगो के केशॉर्न वॉलकॉट (78.26 मीटर) और नाइजीरिया के चिनेचेरेम त्रामदी (75.27 मीटर) भी आगे बढ़े। सिर्फ चार एथलीट ही 80 मीटर का मार्क पार कर पाए। कोई भी 84 मीटर के सीधे क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड तक नहीं पहुंच पाया।

लॉर्ड्स में यादगार शतक से मेलबर्न की ऐतिहासिक जीत तक, रहाणे के करियर की 5 बड़ी उपलब्धियां

भारतीय टीम के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। रहाणे ने अपने करियर में यूं तो कई बड़े मुकाम हासिल किए, लेकिन आइए उनके करियर से जुड़ी आपको पांच सबसे बड़ी उपलब्धियों के बारे में बताते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 147 रनों की यादगार पारीः साल 2014 में मेलबर्न क्रिकेट गाउंड में ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ तेज गेंदबाजों का सामना करते हुए अजिंक्य रहाणे ने 147 रनों की शानदार पारी खेली थी। मिचेल जॉनसन, ऱयान हैरिस, जोश हेजलवुड और शेन वॉटसन जैसे गेंदबाजों के सामने रहाणे ने डटकर सामना किया था और यादगार शतकीय पारी खेली थी। रहाणे ने विराट कोहली संग मिलकर 262 रनों की साझेदारी निभाई थी, जिसके दम पर भारतीय टीम इस मुकाबले को ड्रॉ कराने में सफल रही थी।

लॉर्ड्स की यादगार पारीः इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर लहराती हुई गेंदों के खिलाफ रहाणे ने शतकीय पारी खेली थी।

रहाणे की यह पारी उस समय आई थी जब भारतीय टीम 145 के स्कोर पर ही 7 विकेट गंवाकर मुश्किल में नजर आ रही थी। हालांकि, रहाणे ने एक छोर संभालकर खड़े रहे और उन्होंने 154 गेंदों में 103 रनों की शानदार पारी खेलते हुए भारतीय टीम को 295 के टोटल तक पहुंचाया था। भारतीय टीम इस टेस्ट मैच को 95 रनों से अपने नाम करने में सफल रहा था। रहाणे की यादगार पारी के बूते भारत ने लॉर्ड्स के मैदान पर 28 साल बाद जीत दर्ज की थी। मेलबर्न की ऐतिहासिक जीतः बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में 36 रनों पर ऑलआउट होने और शर्मनाक हार झेलने के बाद भारतीय टीम का मनोबल पूरी तरह से टूटा हुआ था। नियमित कप्तान विराट कोहली इस हार के बाद अपने बच्चे के जन्म की वजह से स्वदेश लौट गए थे। सीरीज के बाकी मैचों के लिए कप्तानी की जिम्मेदारी अजिंक्य रहाणे के हाथों में थी।

'यूनिफॉर्म और मैदान का रंग एक जैसा होने से खिलाड़ियों को हो रही थी दिक्कत'

हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की जर्सी के रंग को बदलने को लेकर पूर्व कप्तान वीरेन रस्किन्हा द्वारा उठाए गए सवाल पर सफाई पेश की है। हॉकी इंडिया ने बताया है कि मैदान और जर्सी का रंग एक जैसा होने से खिलाड़ियों के खेल और दृश्यता पर असर पड़ रहा था। गौरतलब है कि सोमवार को हॉकी इंडिया ने एफआईएच विश्व कप से पहले भारतीय टीम की नई जर्सी को लॉन्च किया। जर्सी का रंग नीले से बदलकर ऑरेंज कर दिया गया है और इसके साथ ही जर्सी के डिजाइन में भी कुछ बदलाव किए गए हैं। इसको लेकर ही पूर्व कप्तान वीरेन रस्किन्हा ने नाराजगी जाहिर की थी।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "मुझे कहना होगा कि हॉकी इंडिया ने भारतीय हॉकी के लिए बहुत अच्छे काम किए हैं, लेकिन यह शर्मनाक है। भारतीय टीम की विरासत और पहचान हमेशा से ब्लू (नीला) रही है। मैंने कई वर्षों तक शान से ब्लू जर्सी पहनी है। फैंस हमारी इंडियन टीम को ब्लू रंग में देखना चाहते हैं। ऑरेंज रंग का क्या लॉजिक है?" सबसे बड़ा कारण तकनीकी था। यह देखा गया कि नीली खेलने वाली यूनिफॉर्म के रंग का मैच उस नीली सिंथेटिक सतह के साथ भी हो रहा था, जिस पर मैच खेला जाता है।

डॉक्टर से जानिए किस तरह की डाइट आपकी मेंटल हेल्थ के लिए हो सकती है खतरनाक?

मानसिक स्वास्थ्य सिर्फ तनाव या चिंता की वजह से खराब नहीं होता है, बल्कि इसके पीछे खराब खानपान भी जिम्मेदार हो सकता है। दरअसल, पेट और दिमाग का आपस में गहरा रिश्ता होता है, जिसे गट-ब्रेन एक्सिस कहते हैं। ऐसे में जंक फूड का ज्यादा सेवन और डाइट में पोषण की कमी हमारे मूड और दिमाग के काम करने के तरीके को बिगाड़ सकती है। साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक, एमबीबीएस और एमडी, डॉक्टर बिमल छाजेर ने अपने यू ट्यूब पर वीडियो शेयर कर बताया है कि अगर आपकी डाइट में पोषक तत्व नहीं हैं तो इसका खामियाजा आपका दिमाग चुकाता है। खराब खानपान से ध्यान में कमी, मोटिवेशन में कमी, मेंटल हेल्थ कमजोर होता है। डॉक्टर बता रहे हैं कि किस तरह की डाइट मेंटल हेल्थ के लिए हो सकती है खतरनाक?

शुगर और प्रोसेस्ड फूड्सः शुगर और प्रोसेस्ड फूड्स सिर्फ शरीर के लिए ही नहीं बल्कि आपके ब्रेन के लिए भी बहुत खतरनाक होता है। ये फूड्स आपको तुरंत पीक एनर्जी देता है लेकिन उसके बाद आपकी एनर्जी लॉस होती है, ब्रेन फॉग , नींद आने और ध्यान केंद्रित न होने की समस्या भी बढ़ती है।

डिहाइड्रेशनः अगर आप पानी ज्यादा नहीं पी रहे हैं तो इससे भी आपके दिमाग पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आप अगर चाय कॉफी ज्यादा पी रहे हैं लेकिन पानी कम पी रहे हैं तो इससे डिहाइड्रेशन की समस्या बढ़ती है। गट हेल्थ आपके ब्रेन को कंट्रोल करता है तो आपके गट में अगर गुड़ बैक्टीरिया नहीं है तो वह आपके दिमाग को कंट्रोल करता है। इससे मेंटल हेल्थ प्रभावित बहुत ज्यादा होता है।

स्किपिंग मील्सः अगर आप अपना खाना सही समय पर नहीं खा रहे हैं तो इससे भी दिमाग पर गहरा असर पड़ता है। यहां तक कि आपकी सोचने-समझने और याद रखने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है।

सावन के महीने में किन चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए? आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया

गीली मिट्टी की खुशबू , ठंडी हवाएं और बारिश की बूंदों के साथ सावन का महीना शुरु हो जाता है। सावन में लोग सोमवार का व्रत करते हैं और पूरे महीने भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। हालांकि इस महीने में लोग खाने पीने से जुड़े परहेज भी करते हैं। स्वास्थ्य के लिहास से भी सावन का महीना काफी सतर्क रहने वाला होता है। इस महीने में मच्छर से और पानी से जुड़ी बीमारियां तेजी से फैलती हैं। सावन का समय वातावरण में नमी और ठंडक लाता है, आयुर्वेद के अनुसार यही मौसम आपके शरीर में असंतुलन का कारण बनता है। आयुर्वेदिक डॉक्टर चंचल शर्मा (आशा आयुर्वेदा क्लीनिक) से जानते हैं सावन में क्या नहीं खाना चाहिए?

वात का असंतुलन- नमी और ठंडी हवा के कारण शरीर में वात बढ़ जाता है। इसके कारण जोड़ों में दर्द, अकड़न, बदन दर्द और थकान होती है।

पित्त का असंतुलन- गर्मी के बाद बारिश का मौसम जमीन से भाप छोड़ता है जो प्रकृति में एसिडिक होता है। इससे शरीर में पित्त बढ़ता है। पेट में जलन और एसिडिटी की परेशानी होती है। जिसका सीधा असर आपकी पाचन क्रिया पर पड़ता है, जिसके कारण खाना पचाने में समय लगता है।

डॉक्टर चंचल शर्मा के मुताबिक अगर आपको भी हल्की सी सर्दी लगने पर सर्दी, खांसी और कफ की समस्या होती है, तो इसका कारण आपका बढ़ा हुआ कफ दोष है। सावन के महीने में अच्छी बारिश होती है, जिससे हवा में नमी बढ़ जाती है और कई तरह के जीवों के पनपने और फैलने के लिए अनुकूल माहौल बनता है। यही वजह है कि बारिश के मौसम में कीड़े-मकोड़ों और दूसरे जीवों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जाती है। इस मौसम में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं और कीड़े-मकोड़ों का खतरा भी बढ़ जाता है, ऐसे समय इन खाद्य पदार्थों से बचें।

बारिश के मौसम में डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन कम से कम करना चाहिए। खासकर दही तो बिल्कुल नहीं खानी चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन भी नहीं करना चाहिए, क्योंकि इनमें मौजूद छोटे कीड़े या सूक्ष्मजीव, जो अक्सर सब्जियों के रंग में घुल-मिल जाते हैं वह बीमारी का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा, बैंगन खाने से भी बचना चाहिए। तामसिक और तीखे खाद्य पदार्थ, प्याज, लहसुन, हल्दी, हींग और लाल मिर्च का सेवन नहीं करना चाहिए, इससे शरीर में भारीपन और सुस्ती आती है।

क्या नींद की कमी से भी वजन बढ़ता है? जानिए क्या कहते हैं डॉक्टर

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों की लाइफस्टाइल बहुत बिगड़ चुकी है। अक्सर काम, पढ़ाई या मोबाइल पर घंटों समय बिताने के कारण लोग अपनी नींद से समझौता कर लेते हैं। कई लोगों को लगता है कि कम सोने से शरीर ज्यादा एनर्जी की जरूरत होती है और इससे वजन कम होता है। लेकिन स्लीप मेडिसिन विशेषज्ञों और डॉक्टर्स के मुताबिक वास्तविकता इसके बिल्कुल अलग है। पर्याप्त नींद न लेने से वजन बढ़ने का खतरा काफी बढ़ सकता है। डॉ. अनुराग अग्रवाल, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, फोर्टिस फरीदाबाद का कहना है कि जब कोई व्यक्ति रोजाना 7–9 घंटे की नींद नहीं लेता, तो शरीर के हार्मोनल संतुलन पर असर पड़ता है। खासतौर पर घ्रेलिन और लेप्टिन नामक हार्मोन प्रभावित होते हैं।

घ्रेलिन भूख बढ़ाने का काम करता है, जबकि लेप्टिन पेट भरने का संकेत देता है। नींद की कमी से घ्रेलिन का लेवल बढ़ जाता है और लेप्टिन कम हो जाता है, जिससे व्यक्ति को बार-बार भूख लगती है और अधिक कैलोरी वाले खाद्य पदार्थ खाने की इच्छा बढ़ जाती है। इसके अलावा, कम नींद लेने से शरीर में कॉर्टिसोल यानी स्ट्रेस हार्मोन का लेवल भी बढ़ सकता है।

ज्यादा कॉर्टिसोल शरीर में चर्बी जमा होने, खासकर पेट के आसपास फैट बढ़ने, और इंसुलिन के प्रभाव को कम करने से जुड़ा माना जाता है।

यही कारण है कि लंबे समय तक नींद की कमी मोटापे और टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को बढ़ा सकती है। डॉ. अनुराग यह भी बताते हैं कि पर्याप्त नींद न मिलने पर व्यक्ति दिनभर थका हुआ महसूस करता है। इससे शारीरिक गतिविधि कम हो जाती है और नियमित व्यायाम करने की इच्छा भी घट सकती है।

अजवाइन, काला नमक और हींग, इन बीमारियों की कर देगा छुट्टी, जानिए कैसे इस्तेमाल करें

आयुर्वेद में ऐसी कई चीजों का इस्तेमाल किया जाता है जो आपकी किचन में ही मौजूद हैं। ऐसी असरदार चीजों में अजवाइन, काला नमक और हींग भी शामिल है। इन तीनों चीजों के औषधीय गुण कई बीमारियों को दूर करने में असरदार काम करते हैं। अजवाइन में थाइमोल नामक यौगिक होता है जो गैस, एसिडिटी और अपच में आराम दिलाता है। वहीं पेट फूलने पर हींग राहत देती है। हींग में , एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी माइक्रोबियल, एंटीसेप्टिक और एंटीपास्मोडिक जैसे गुण पाए जाते हैं। काला नमक भी पाचन से जुड़ी समस्याओं को कम करता है। जब आप इन तीनों चीजों को मिलाकर खाते हैं तो इससे कई तरह की पेट से संबंधित समस्याएं दूर हो जाती हैं। जानिए अजवाइन, काला नमक और हींग कौन सी बीमारियों को दूर करता है?

गैस में राहत- अजवाइन के साथ काला नमक और हींग मिलाकर खाने से गैस की समस्या में काफी आराम मिलता है। सीने में जलव और एसिडिटी को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। इसमें एंटीसेप्टिक और एंटी माइक्रोबियल तत्व पाए जाते हैं जो फायदेमंद होते हैं।

पाचन को बनाए मजबूत- जिन लोगों को पाचन से जुड़ी समस्याएं रहती हैं जैसे खाना आसानी से नहीं पचता है उनके लिए 1 चम्मच अजवाइन, काला नमक और हींग का चूर्ण दवा का काम करता है। इससे खाना पचाने और वजन घटाने में मदद मिलती है।

अपच दूर होगी- अजवाइन, काला नमक और हींग को मिलाकर खाने से अपच की समस्या से छुटकारा मिलता है। ये तीनों चीजें मेटाबॉलिज्म को बढ़ाती हैं और शरीर पर जमा चर्बी को कम करती हैं। पीरियड में होने वाले दर्द में भी अजवाइन राहत पहुंचाती है।

लो ब्लड प्रेशर में फायदेमंद- जिन लोगों का बीपी रहता है उनके लिए ये चूर्ण बेहद फायदेमंद साबित होता है। अगर आपका बीपी नॉर्मल रहता है तो भी आप इसका सेवन कर सकते हैं। आपको सुबह शाम इस मिश्रण को 4 ग्राम गुनगुने पानी से लेना है।

ठंड में पहुंचाए राहत- ठंड और सर्दी-जुकाम में राहत पहुंचाने के लिए भी अजवाइन, काला नमक और हींग को फायदेमंद माना जाता है। इससे गले की खराश दूर होती है। आपको इस चूर्ण को गर्म पानी से सेवन करना चाहिए।

चलते समय तलवे में दर्द होना किस बात का संकेत है, इसे कैसे दूर किया जा सकता है

कई बार वॉक के दौरान, चलते फिरते या उठते ही तलवे में तेज दर्द होने लगता है। हड्डियों के सिरों में होने वाला दर्द असहनीय हो सकता है और इससे आपके रोज के काम भी प्रभावित हो सकते हैं। पैर के तलवे में दर्द को अक्सर मेटाटार्सलजिया कहा जाता है। आज हम आपको कुछ ऐसे कारण बता रहे हैं जिससे पैर के तलवों में तेज दर्द होने लगता है। आइये शारदा हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉक्टर भुमेश त्यागी से जानते हैं तलवे में दर्द क्यों होता है और इससे कैसे राहत पा सकते हैं। गलत फिटिंग के चप्पच जूते- अगर आप गलत फिटिंग के चप्पल जूते पहनते हैं तो इससे तलवे में दर्द हो सकता है। जो लोग ऊंची एड़ी के जूते, आगे से बहुत पतले या सख्त सोल वाले जूते पहनते हैं उन्हें पैर और तलवे में दर्द की समस्या ज्यादा होती है। हाई एक्टिविटी- अगर आप बहुत हाई इंटेंसिटी के साथ कोई फिजिकल एक्टिविटी करते हैं जैसे दौड़ना, खेलना या डांस करते हैं तो इससे तलवे में दर्द महसूस हो सकता है। पैरों की बनावट- कुछ लोगों के पैरों की बनावट थोड़ी अलग होती है। किसी के पैर चपटे होते हैं तो किसी की एडी ऊंची होती है। ऐसे लोगों में पैर और तलवे में दर्द की समस्या हो सकती है। पैर की उंगलियों अलग होना- अगर आपके पैर की उंगलियां थोड़ी अलग हैं। जैसे पैर की उंगलिया ज्यादा लंबी हैं तो वो जूते में आगे मुड़ने लगती हैं। कई बार अंगूठा दबने से उंगलियों और पैरों पर ज्यादा प्रेशर पड़ता है। सूजन संबंधी गठिया- जिन लोगों को गठिया है उन्हें पैरों पर सूजन की समस्या रहती है। यानि गाउट, रूमेटॉइड आर्थराइटिस जैसी समस्याओं में पैरों में दर्द होने लगता है।

गैस का दर्द है या हार्ट अटैक, डॉक्टर से जानिए दोनों के बीच क्या अंतर और किन लक्षणों से करें पहचान?

सीने में दर्द और बेचैनी का कारण गैस और हार्ट अटैक दोनों हो सकते हैं। कई बार लोग हल्के दर्द को गैस का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि ये हार्ट अटैक का दर्द भी हो सकता है। ऐसी लापरवाही की वजह से कई बार जान खतरे में आ जाती है। वहीं कुछ लोगो गैस के दर्द और हार्ट अटैक के दर्द में आसानी से फर्क करना जानते हैं जिससे गंभीर समस्या से बचने में मदद मिलती है। आज हम हेल्थ एक्सपर्ट से जानेंगे कि कैसे पचा चलता है सीने में होने वाला दर्द गैस का का है या फिर हार्ट अटैक का? यशोदा हॉस्पिटल्स हैदराबाद के कंसल्टेंट इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. काला जीतेंद्र जैन के अनुसार, गैस का दर्द आमतौर पर छाती के निचले हिस्से या पेट में होता है। ये दर्द सामान्य तौर पर शरीर के दूसरे हिस्सों तक नहीं फैलता है। गैस के दर्द के साथ कभी-कभी मतली जैसा भी महसूस हो सकता है। मसालेदार भोजन खाने के वजह से ऐसा हो सकता है। इस दर्द में कुछ खास पॉजिशन में राहत मिल सकती है। डॉक्टर की सलाह से आप कोई एंटीएसिड दवा ले सकते हैं। हार्ट अटैक के दर्द में आमतौर पर छाती के बीच में पेन होता है। कभी-कभी बाएं हाथ, जबड़े या पीठ के ऊपरी हिस्से तक ये दर्द फैल सकता है। इसके साथ हार्ट अटैक के अन्य लक्षण जैसे अचानक सांस फूलना, पसीना आना, चक्कर आना, उल्टी भी महसूस होने लगती है। चलने या एक्सरसाइज करने पर ये लक्षण बढ़ जाते हैं, आराम करने या हार्ट संबंधी दवाओं का सेवन करने से दर्द में राहत मिलती है। गैस के दर्द और हार्ट अटैक के दर्द को नॉर्मल ईसीजी करके पता लगाया जा सकता है।

5 मंजिल सीढ़ी चढ़ने से इस 'साइलेंट किलर' बीमारी का खतरा होगा कम

स्वस्थ रहने के लिए आपको रोजाना किसी न किसी तरह की फिटनेस एक्टिविटी जरूर करनी चाहिए। आप वॉक कर सकते हैं, एक्सरसाइज कर सकते हैं, योग कर सकते हैं या फिर घर की सीढ़ियां ही चढ़ सकते हैं। सिर्फ आपके अंदर फिटनेस के लिए पैशन होना जरूरी है। अगर आप रोजाना 5 मंजिल सीढ़ी चढ़ते हैं तो इससे दिल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को 20 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। मोटापा कम करने में भी सीढ़ी चढ़ना असरदार माना जाता है। इससे हार्ट अटैक के खतरे को भी कम किया जा सकता है। रिसर्च में पाया गया है एक व्यक्ति को हार्ट संबंधी बीमारियों के खतरे को 20 प्रतिशत तक कम करने के लिए प्रतिदिन पांच बार सीढ़ियां चढ़नी चाहिए। तुलाने यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन के इस शोध में AS-CVD एथेरोस्क्लेरोटिक कार्डियोवैस्कुलर बीमारी से बचने के प्राथमिक उपायों में सीढ़ी चढ़ने को फायदेमंद माना गया है। जिसमें कहा गया है कि हाई इंटेंसिटी से सीढ़ियां चढ़ना कार्डियोरेस्पिरेटरी फिटनेस और लिपिड प्रोफाइल में सुधार करने का एक शानदार तरीका है। सीढ़ियों वाले घरों में रहने वाले लोगों के लिए ये आसान फिटनेस एक्सरसाइज है। उनसे उनकी लाइफस्टाइल की आदतों और वे कितनी बार सीढ़ियां चढ़ते हैं, इस बारे में सवाल पूछे गए।

बच्चों में अस्थमा के लक्षण क्या हैं? डॉक्टर ने बताया किस तरह पहचानें

अस्थमा बच्चों में होने वाली एक सामान्य लेकिन गंभीर श्वसन संबंधी बीमारी है। इसमें बच्चे की सांस लेने वाली नलियों में सूजन आ जाती है, जिससे सांस लेने में दिक्कत होती है। यदि समय रहते इसके लक्षणों की पहचान कर ली जाए और सही इलाज शुरू किया जाए, तो बच्चों को इस बीमारी से बचाया जा सकता है। इसलिए हर पेरेंट्स को अस्थमा के शुरुआती संकेतों के बारे में पता होना जरूरी है। ऐसे में फोर्टिस के डॉक्टर ने बताया है कि बच्चों में अस्थमा के शुरुआती लक्षण क्या हैं। डॉ. प्रशांत सक्सेना पल्मोनोलॉजी, पल्मोनोलॉजी क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन ने बताया है कि बच्चों में अस्थमा के प्रमुख लक्षण क्या क्या होते हैं। यहां जान लें। अगर बच्चे को खासतौर पर रात में, सुबह जल्दी या खेलने-कूदने के बाद बार-बार खांसी आती है, तो यह अस्थमा का संकेत हो सकता है। कई बार सूखी खांसी ही इसका पहला लक्षण होती है। सांस छोड़ते समय सीटी जैसी आवाज आना अस्थमा का सबसे आम लक्षण माना जाता है। यह आवाज इसलिए आती है क्योंकि एयरवेज संकरी हो जाती हैं। यदि बच्चा सामान्य गतिविधियों, दौड़ने या सीढ़ियां चढ़ने पर जल्दी थक जाए या उसकी सांस फूलने लगे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

डेस्क जॉब वालों के लिए रामबाण है डोलासन, जानें अद्भुत फायदे

आज की भागदौड़भरी जिंदगी में अनियमित आहार और एक ही जगह देर तक बैठकर काम करने से शरीर रोगों का शिकार हो रहा है। हालांकि, बीच-बीच में समय निकालकर योग करने से फिर से तरोताजा महसूस होने लगता है। इन्हीं, डोलासन एक ऐसी योग मुद्रा है, जो शरीर की मांसपेशियों को मजबूती देने में मदद करता है। यह एक हठ योग मुद्रा है, जो दो शब्दों से मिलकर बना है। 'डोल' = झूलना' आसन' = योग मुद्रा। इसके नियमित अभ्यास से थकान, सिरदर्द और तनाव से राहत मिलती है। इस आसन को करने के दौरान शरीर के ऊपरी हिस्से को पेंडुलम की तरह आगे-पीछे झुलाया जाता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इसके महत्ता पर जोर दिया है। उनके अनुसार, डोलासन (पेंडुलम या झूलने की मुद्रा) एक गतिशील योगासन है, जो लचीलापन, रीढ़ की मजबूती और संतुलन बढ़ाता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से पेट और कोर की मांसपेशियों को मजबूत करता है पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव देकर दर्द कम करता है। हैमस्ट्रिंग यानी जांघ के पीछे की नसों को टोन करता है। साथ ही, रीढ़ की नसों को एक्टिव करके रीढ़ को लचीला बनाता है। इसे करना बेहद आसान है। सबसे पहले दोनों पैरों को थोड़ा चौड़ा करके सीधे खड़े हो जाएं।

क्या वाकई 32 बार चबाकर भोजन करने से सेहत को मिलते हैं फायदे? Expert से जानें इसके पीछे की सच्चाई?

जब भी हम खाना जल्दी जल्दी खाते हैं तो घर के बड़े कहते हैं आराम से और अच्छी तरह चबा चबा कर कम से कम 32 बार खाओ।कई लोग ये भी कहते हैं 32 बार खाना चबाकर खाने से सेहत को कई फायदे मिलते हैं।दरअसल, 32 बार खाना चबाने का नियम पुराने समय से चला आ रहा है और इसके पीछे वैज्ञानिक और स्वास्थ्य संबंधित तर्क भी मौजूद हैं। इस बारे में हमने आकाश हेल्थकेयर के सीनियर कंसल्टेंट और हेड गैस्ट्रोएंटरोलॉजी डॉ.शरद मल्होत्रा से बातचीत कर यह जानना चाहा कि इस बात में कितनी सचाई है। डॉक्टर शरद मल्होत्रा कहते हैं कि हमारी कई पुरानी पद्धति में यह बात मानी गयी है और कई एक्सपर्ट्स का भी मनाना है कि 32 बार खाना चबाने से अच्छी तरह से ऑब्जर्व होता है।हालांकि, इसका कोई साइन्टिफिक रिसर्च मौजूद नहीं है।लेकिन यह बात तो सच है कि खाना चबाकर खाने से वो डिफरेंट फ्लेवर को रिलीज़ करता है, और कार्बोहाइड्रेट को पचता है। हालांकि, 32 बार चबाने का सटीक नियम हर व्यक्ति के लिए आवश्यक नहीं है, लेकिन खाने को अच्छी तरह से चबाना हमेशा फायदेमंद होता है।

पाचन में होता है सुधारः खाना जितना अधिक चबाया जाता है, वह उतना ही छोटे-छोटे टुकड़ों में बदल जाता है।इससे पेट में पाचन क्रिया को मदद मिलती है और भोजन को अच्छी तरह से पचाने में आसानी होती है। विटामिन और मिनिरल अच्छी तरह से मिलते हैंः भोजन को अच्छे से चबाने से उसमें मौजूद पोषक तत्व बेहतर तरीके से अब्सॉर्ब होते हैं।जिससे शरीर को आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स अच्छी तरह से मिल पाते हैं।

वजन होता है कंट्रोलः धीरे-धीरे खाने से और अधिक चबाने से पेट भरने का अहसास जल्दी होता है। इससे आप कम मात्रा में खाना खाते हैं, जो वजन नियंत्रित रखने में सहायक होता है।

लार के एंजाइम बेहतर तरीके से काम करते हैंः भोजन को अच्छी तरह चबाने से लार का स्राव बढ़ता है। लार में मौजूद एंजाइम कार्बोहाइड्रेट के शुरुआती पाचन में मदद करते हैं और भोजन को निगलने की प्रक्रिया भी आसान बनाते हैं। इससे पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ता।

पेट संबंधी समस्याओं का खतरा हो सकता है कमः जल्दबाजी में खाना खाने से अपच, गैस, पेट फूलना और भारीपन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं, धीरे-धीरे और अच्छी तरह चबाकर खाने से भोजन पाचन तंत्र में बेहतर तरीके से पहुंचता है, जिससे ऐसी परेशानियों का जोखिम कम हो सकता है।

माइंडफुल ईटिंग की आदत विकसित होती हैः आराम से भोजन करने पर व्यक्ति खाने के स्वाद, सुगंध और बनावट को बेहतर तरीके से महसूस कर पाता है। इससे भोजन का आनंद बढ़ता है और जरूरत से ज्यादा खाने की संभावना भी कम हो जाती है।

'संसद ने एक ऐसा बिल पास किया, जो हमारी परीक्षा प्रणाली को बनाता है और मजबूत', PM मोदी का आया नया VIDEO

लोकसभा और राज्यसभा से 'एंटी पेपर लीक बिल' पास होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में पीएम मोदी ने कहा कि संसद ने एक ऐसा बिल पास किया है, जो हमारी परीक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाता है। पीएम मोदी ने गुरुवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम, एक्स और फेसबुक अकाउंट पर ये वीडियो संदेश जारी किया है। इस बार पीएम मोदी ने साथियों के संबोधन के साथ वीडियो संदेश की शुरुआत की है। पीएम ने वीडियो संदेश में कहा, 'साथियों, विश्व स्तर परीक्षा पद्धति इसके लिए हम लगातार एक के बाद एक कदम उठा रहे हैं। टास्क फोर्स की रचना हो या फास्ट कोर्ट की रचना हो। राज्यों के सुझावों को ध्यान में लिया गया है।' पीएम मोदी ने कहा, 'पिछले कुछ दशकों से हर राज्य और केंद्र सरकार इस प्रकार की पेपर लीक परेशानी झेल रहा है। बच्चों के भविष्य को भी इसके कारण संकट पैदा हो रहा है। इन सबको ध्यान में रखते हुए देशव्यापी सभी राज्यों और केंद्र में भी शिक्षा पद्धति में सुधार अनिवार्य हो गया है।' अपने वीडियो संदेश में पीएम मोदी ने कहा, 'टेक्नोलॉजी के भरपूर उपयोग की आवश्यकता है। साथ-साथ फिर से कोई पेपर माफिया, पेपर लीक करने वाला गैंग, देश के बच्चों के साथ खिलवाड़ करने वाले गैंग को बख्शा नहीं जाएगा।'

कांवड़ यात्रा के महा इंतजाम

हरिद्वार/ऋषिकेश। सावन के पहले दिन कांवड़ यात्रा आज से शुरू हो गई है। कांवड़ यात्रा के मुख्य मार्ग में पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली से लेकर उत्तराखंड के हरिद्वार तक 40 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों को सुरक्षा में तैनात किया गया है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे रूट का एक हिस्सा भी पांच दिनों के लिए बंद किया गया है। उत्तराखंड के हरिद्वार और ऋषिकेश के गंगा घाटों से गंगाजल लेकर लौटने वाले शिवभक्त पैदल, साइकिल, कार और डीजे वाली गाड़ियों के साथ यात्रा कर रहे हैं। मेरठ, मुजफ्फरनगर, हापुड़, गाजियाबाद से लेकर दिल्ली-यूपी बॉर्डर तक जगह-जगह कांवड़ियों के लिए कैंप लगाए गए हैं।

प्रशासन ने कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। यात्रा मार्गों पर पुलिस के साथ अर्द्धसैनिक बल, यातायात पुलिस और आपदा राहत दलों की भी तैनाती की गई है। संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और कंट्रोल रूम के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

अधिकारियों ने संबंधित जिलों के प्रशासन को समन्वय के साथ व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं।

भारत-चीन सीमा पर याक ला पास पहुंचे सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर, जवानों से की मुलाकात

गंगटोक/नई दिल्ली। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने गुरुवार को भारत-चीन सीमा पर स्थित सामरिक महत्व के याक ला पास का दौरा किया। उन्होंने दुर्गम हिमालयी क्षेत्र में तैनात अधिकारियों और जवानों से मुलाकात कर उनकी तैयारियों और हालात की जानकारी ली। राज्यपाल ने अपने दौरे के दौरान सीमा क्षेत्र में प्रतिकूल मौसम और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच देश की सुरक्षा में जुटे जवानों के साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने सीमा पर तैनात अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था और संचालन संबंधी जानकारी भी प्राप्त की। सोशल मीडिया पर साझा किए गए अपने संदेश में ओम प्रकाश माथुर ने कहा कि उन्होंने भारत-चीन सीमा पर स्थित याक ला पास का दौरा कर प्रतिकूल परिस्थितियों और दुर्गम हिमालय श्रृंखला के बीच तैनात अधिकारियों एवं जवानों से मुलाकात की। दौरे के दौरान राज्यपाल ने जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके समर्पण की सराहना की और सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। याक ला पास के दौरे के दौरान राज्यपाल ने सीमा क्षेत्र में तैनात अधिकारियों और जवानों से संवाद करते हुए उनके दैनिक कार्य, परिचालन संबंधी चुनौतियों तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि कठिन मौसम और विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद सुरक्षा बल पूरी सतर्कता और पेशेवर दक्षता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, जो पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। राज्यपाल ने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा में तैनात जवानों का मनोबल, अनुशासन और समर्पण देश की सुरक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सुरक्षा बल भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा करते रहेंगे। साथ ही उन्होंने जवानों के उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और कुशलक्षेम की कामना की। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों के सामरिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे क्षेत्रों में तैनात सुरक्षा बलों की भूमिका राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों से सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्थाओं, आवश्यक संसाधनों और संचालन संबंधी तैयारियों की जानकारी प्राप्त की तथा सीमाओं पर निरंतर सतर्कता बनाए रखने के प्रयासों की सराहना की। दौरे के अंत में राज्यपाल ने सीमावर्ती क्षेत्र में कार्यरत सभी अधिकारियों और जवानों के प्रति देशवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी राष्ट्र सेवा के प्रति उनका समर्पण प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणास्रोत है। यह दौरा सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ाने और उनकी सेवाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों का नियमित दौरा केवल सुरक्षा व्यवस्थाओं का आकलन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि कठिन परिस्थितियों में कार्यरत जवानों का उत्साह बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे वीर जवानों का योगदान सदैव सम्मान और गौरव का विषय रहेगा।

पेपर लीक रोकने का सख्त कानून लोकसभा में पास

लोकसभा में पेपर लीक से जुड़ा 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 बुधवार को ध्वनि मत से पास हो गया। बिल पर मंगलवार को 9 घंटे चर्चा हुई। बुधवार को विपक्ष की तरफ से राहुल गांधी बिल पर 50 मिनट बोले। विपक्ष के हंगामे के बीच बिल पास हुआ। इसके तहत पेपर लीक से जुड़े कानून सख्त कर दिए हैं। अब पेपर लीक से जुड़े अपराधों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल पास हो गया। अब जन-गण-मन की तरह वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण मिलेगा। वंदे मातरम का अपमान, अनादर और गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार 30 जुलाई सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। संसद के दोनों सदनों में पारित इन महत्वपूर्ण विधेयकों को सरकार ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने और राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को कानूनी रूप से और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम बताया है।

सरदारशहर बारिश से बेहाल: मुख्य बाजार में 3 फीट तक पानी, नगर परिषद की तैयारियां फेल

सरदारशहर। गुरुवार अल सुबह हुई मूसलाधार बारिश ने सरदारशहर शहर की व्यवस्थाओं की एक बार फिर पोल खोल दी। करीब एक घंटे तक लगातार हुई तेज बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। मुख्य बाजार, बोडिया कुआं, सब्जी मंडी, रेलवे स्टेशन, बीकानेर रोड सहित कई प्रमुख मार्ग पानी में डूब गए। मुख्य बाजार के कुछ हिस्सों में करीब तीन फीट तक पानी भर जाने से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित रहा। बारिश के बाद शहर की सड़कें तालाब जैसी दिखाई दीं। दुकानों के बाहर पानी भर जाने से व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हुआ, जबकि राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई दोपहिया वाहन जलभराव के कारण बंद हो गए और लोगों को घंटों तक वैकल्पिक रास्तों की तलाश करनी पड़ी। बारिश के साथ ही नगर परिषद की मानसून पूर्व तैयारियों पर भी सवाल खड़े हो गए। नालों और नालियों की समय पर सफाई नहीं होने से वर्षा जल की निकासी बाधित रही, जिसके चलते शहर के अनेक हिस्सों में पानी भर गया। पहली ही तेज बारिश में जलभराव की स्थिति बनने से नगर परिषद की तैयारियां एक बार फिर कटघरे में आ गई हैं। भारी जलभराव को देखते हुए शहर के कई निजी विद्यालयों ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अवकाश घोषित कर दिया। अभिभावकों ने भी बच्चों को घरों से बाहर भेजने से परहेज किया। वहीं कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों और आम नागरिकों को भी सुबह के समय आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालांकि शहरवासियों के लिए यह बारिश परेशानी का कारण बनी, लेकिन किसानों के लिए राहत और खुशी लेकर आई। किसानों का कहना है कि लंबे समय बाद हुई अच्छी बारिश से बाजरा, मूंग, ग्वार सहित खरीफ फसलों को भरपूर लाभ मिलेगा। खेतों में पर्याप्त नमी बनने से फसलों की बढ़वार बेहतर होने और उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है। वहीं दूसरी ओर खेतों में बरसी बारिश किसानों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर आई है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिले राहुल कस्वां, चूरू संसदीय क्षेत्र की सड़क परियोजनाओं पर की चर्चा

एनएच-11, एनएच-52, एनएच-58 और एनएच-709E से जुड़ी लंबित परियोजनाओं को जल्द शुरू कराने का किया आग्रह

नई दिल्ली/चूरू। चूरू सांसद राहुल कस्वां ने गुरुवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर संसदीय क्षेत्र में लंबित एवं प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्वीकृत कार्यों के लिए शीघ्र बजट जारी कर निर्माण कार्य शुरू कराने का आग्रह किया। राहुल कस्वां ने मंत्री को बताया कि एनएच-709E (सादुलपुर-पिलानी) का डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरियड (DLP) पूरा हो चुका है। ऐसे में इस मार्ग पर जल्द री-कार्पेटिंग कार्य शुरू कराया जाए। उन्होंने एनएच-58 पर सालासर-भांगीवाद मार्ग, चूरू के रामसरा-ऊंटवालिया मार्ग, सादुलपुर के ढंढ़ाल मार्ग तथा लुद्दी झाबर-लुटाना सदासुख मार्ग पर चार नए फ्लाईओवर बनाने की भी मांग रखी। सांसद ने राष्ट्रीय राजमार्ग-11 के रतनगढ़-फतेहपुर खंड को फोरलेन बनाने के लिए डीपीआर शीघ्र पूरी कर स्वीकृति देने, एनएच-52 और एनएच-58 के सभी फ्लाईओवर एवं बस स्टैंड पर स्ट्रीट लाइट लगाने तथा स्वीकृत सड़क परियोजनाओं का निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि बोबासर में सड़क चौड़ीकरण, सिधमुख ओवरब्रिज से तारानगर ओवरब्रिज तक सर्विस रोड, सालासर में नया फ्लाईओवर, सादुलपुर में पिलानी ओवरब्रिज से रड़वा बाईपास तक फोरलेन सड़क सहित कई परियोजनाएं स्वीकृत हैं, जिन पर शीघ्र काम शुरू होना चाहिए। राहुल कस्वां ने सादुलपुर एनएच-709E से एनएच-52 वाया बहल रोड बाईपास के लिए बजट स्वीकृत कर निर्माण कार्य शुरू कराने तथा चूरू शहर के रिंग रोड की डीपीआर जल्द पूरी कर स्वीकृति देने की भी मांग केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखी।

केंद्रीय मंत्री से हुई मुलाकात के दौरान सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि सड़क अवसंरचना के सुदृढ़ होने से क्षेत्र में आवागमन सुगम होने के साथ-साथ व्यापार, कृषि, पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाएं लंबे समय से स्वीकृति या बजट आवंटन की प्रतीक्षा में हैं, जिनका समयबद्ध क्रियान्वयन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए आवश्यक है।

PM Modi के खिलाफ जंतर-मंतर पर अश्लील टिप्पणी मामले में बड़ी कार्रवाई, युवती पर FIR दर्ज

प्रधानमंत्री के खिलाफ जंतर-मंतर पर अभद्र टिप्पणी मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रदर्शन में शामिल एक युवती के खिलाफ नोएडा के एक्सप्रेसवे थाना में जीरो FIR दर्ज की गई। 23 जुलाई 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान युवती ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अश्लील टिप्पणी की थी। इस मामले में युवती की पहचान होने के बाद उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि युवती के इस कृत्य से प्रधानमंत्री के संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंची है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 352, 353(1) और 356(1) के तहत इस युवती पर मुकदमा दर्ज किया है। दिल्ली सरकार ने प्रदर्शन में शामिल लोगों के खिलाफ किसी भी प्रकार की प्रतिकूल कानूनी कार्रवाई नहीं करने का निर्णय लिया है।

हालांकि, यह राहत उन व्यक्तियों पर लागू नहीं होगी जिनका आपराधिक रिकॉर्ड (क्रिमिनल एंटीसिडेंट) है। इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन किया जाएगा। यदि प्रदर्शन के दौरान किसी प्रदर्शनकारी को गिरफ्तार किया गया है या हिरासत में लिया गया है, तो उनके मामलों की समीक्षा की जाएगी और उन्हें शीघ्र रिहा करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदर्शन में शामिल लोगों के खिलाफ आगे कोई प्रतिकूल कार्रवाई करने का उसका इरादा नहीं है। इस मामले को बंद माना जाएगा और इस संबंध में भविष्य में कोई नई कार्यवाही नहीं की जाएगी। बता दें कि इससे पहले दिल्ली पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दूसरे संवैधानिक प्रमुखों के खिलाफ इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट किए गए ''आपत्तिजनक'' कंटेंट के मामले में एफआइआर दर्ज की है। दिल्ली पुलिस ने एक्स और दूसरे प्लेटफॉर्म को भी पत्र लिखकर इस तरह के कंटेंट हटाने और इसे पोस्ट करने वाले यूजर्स की जानकारी देने को कहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह आपत्तिजनक कंटेंट अधिकतर जंतर-मंतर पर काकरोच जनता पार्टी के विरोध-प्रदर्शन के दौरान पोस्ट किए गए थे। इस तरह के कंटेंट के लगातार उपलब्ध रहने से कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है, बेवजह राजनीतिक विवाद पैदा हो सकता है और लोगों का भरोसा कम हो सकता है।

राष्ट्रपति भवन में बस्तर के मांझी-चालकी बने खास मेहमान, द्रौपदी मुर्मू ने खुद परोसा भोजन, पहली बार दिखा ऐसा नजारा

रायपुर/नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च संवैधानिक भवन 'राष्ट्रपति भवन' में आज एक नया इतिहास रचा गया। पहली बार बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक-परंपराओं और वेशभूषा का अप्रतिम वैभव नजर आया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पहुंचे बस्तर के 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने न केवल आत्मीयता से सभी को खुद भोजन परोसा, बल्कि बस्तर दशहरा और बस्तर पंडुम में शामिल होने की इच्छा भी जताई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बस्तर की 300 साल पुरानी 'झिटकू-मिटकी' कलाकृति भेंट की, जिसे देखकर राष्ट्रपति अभिभूत नजर आईं। प्रतिनिधिमंडल में गृहमंत्री विजय शर्मा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल सहित बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागी, परंपरागत जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था के प्रतिनिधि, पद्मश्री सम्मानित विभूतियां, जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परगना मांझी, मांझी, चालकी तथा पद्मश्री सम्मानित विभूतियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने स्वयं सभी अतिथियों को भोजन परोसकर आत्मीयता का परिचय दिया। उन्होंने कलाकारों और पारंपरिक जनजातीय प्रतिनिधियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी सांस्कृतिक विरासत की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि मांझी उनके परिवार का हिस्सा हैं और उनके पिता भी मांझी थे।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415